

PRASHANT PRESENTS

राज

कॉमिक्स  
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 485

# सुपर कमांडो श्रृंगार





सुदूर भविष्य के दो इंसानों में शर्त लगी कि ध्रुव का दिमाग बड़ा है या फिर भविष्य की वैज्ञानिक तकनीक और इस बात को साबित करने के लिए वैज्ञानिक इवेंशन प्रसा ने ध्रुव को भविष्य में बुलाने की ठान ली। उधर आर्मी डिपो से गायब होते हथियारों के आतंकवादियों के हाथों तक पहुंचने की घटना की जांच करने के लिए ध्रुव आर्मी डिपो में कैप्टेन बनकर तैनात हो गया लेकिन आर्मी डिपो में एक गुरिल्ले के द्वारा हथियारों की चोरी भी की गई और डिपो में विस्फोट भी हो गया। ध्रुव आश्चर्यजनक रूप से इस विस्फोट में बच गया और न जाने कैसे उसमें अद्भुत शक्तियां आ गईं। हथियारों के ट्रक को ले जा रहे रोबो ने ध्रुव से टकराने की कोशिश तो की पर उसे भागना पड़ा। लेकिन ध्रुव की शक्तियों से वह बच नहीं पाया और ध्रुव ने उसको राजनगर में जा दबोचा। पर तभी वहां पर रहस्यमय किंगकांग ने आकर ध्रुव को बेहोश कर दिया! दूसरी तरफ होश में आए ध्रुव ने अपने आपको भविष्य की दुनिया में पाया। तब उसके पता चला कि उसको डिपो में हुए विस्फोट से ठीक पहले ही भविष्य में बुला लिया गया था और इस वक्त वर्तमान काल में उसका रोबोट, रोबो से टक्कर ले रहा था। अब भविष्य की दुनिया में ध्रुव को यह साबित करना है कि विज्ञान से ज्यादा तेज है दिमाग और रोबोट से कहीं ज्यादा घातक है।

# सुपरकमांडो ध्रुव

कथा:  
जोली सिन्हा

चित्र:  
अनुपम सिन्हा

इकिंग:  
विनोद कुमार

सुलेख एवं रंग:  
सुनील पाण्डेय

सम्पादक:  
मनीष गुप्ता

मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा है! मेरे समय काल यानी सन् 2003 में मेरा रोबोट मेरा काम कर रहा है!

और बहुत खूबी से कर रहा है, ध्रुव! वहां पर इस वक्त अगर तुम खूद भी होते तो उससे बेहतर काम नहीं कर पाते!

यह तो समय ही बताएगा, प्रसा! फिलहाल तुम ध्रुव को यहां पर हुई समस्या के बारे में बताओ!



मैंने बताया था कि तुमको पहले यहां पर बुलाने का सकारण सिर्फ एक इर्त थी! और उस इर्त का कारण मेरा दोस्त-इंस्पेक्टर दाला था जो तुम्हारा बहुत बड़ा प्रशंसक है! लेकिन अब स्थिति बदल गई है!

सेमा क्या हो चाया है?

पूरे ग्रह का भविष्य खतरों में पड़ गया है। और साथ ही साथ मानव जाति भी नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई है!

और इसका कारण हमारी प्रगति है!...

... हम प्रगति के उस दौर में पहुंच गए हैं जहां पर हम हर किस्म का भेन-देन कंप्यूटर के द्वारा ही करते हैं! हर इंसान के पास एक कोड है और उसके कोड के उस खाते में क्रेडिट जमा कर दिए जाते हैं! फिर उसी क्रेडिट को विक्रेता के खते में जमा कराकर मनचाही वस्तु खरीदी जाती है!

सीधी भाषा में कहें तो पैसों को हमारे युग में आंखों से देखना नहीं जा सकता! वह बस आंकड़ों के रूप में खाते में जमा रहता है!

इतने बड़े काम को संभालने वाले कंप्यूटर को भी एक अत्यंत तेज गति के 'प्रोसेसर' की जरूरत होती है!

और इस नाजूक काम को संभालने वाले हमारे सुपर मेगा कंप्यूटर का प्रोसेसर है यह सिलिकॉन क्रिस्टल! हमको अभी-अभी खबर मिली है कि इसको चुरा लिया गया है!

समझा! पर इससे मानव जाति और पृथ्वी के नष्ट होने का खतरा कैसे पैदा हो गया है?

खुद ही देख लो! इंसान हर समय कुछ न कुछ खरीदता रहता है!



और जब वह उस चीज को रवरीद नहीं पाता तो उसको जबरदस्ती हासिल करना चाहता है!

इस समय जब कंप्यूटर, प्रोसेसर न होने की वजह से काम नहीं कर पा रहा है, तब कोई भी इंसान अपनी जरूरत की चीज रवरीद नहीं पा रहा है! इस कारण चारों तरफ भूटपाट मच गई है!

लोगों ने एक-दूसरे को ही मारना-काटना शुरू कर दिया है!

चारों तरफ जंगल राज हो गया है! हमारी सीमित संख्या वाली पुलिस या मिलिट्री इस भूटपाट को रोक पाने में असमर्थ है! अगर जल्दी ही वह क्रिस्टल न मिला तो चारों तरफ लाशों ही लाशों होंगी! कुछ ही घंटों में हम कई सौ साल पीछे चले जाएंगे!

लेकिन अगर तुम उनसे पहले क्रिस्टल तक पहुंच गए तो मैं तुम्हारे दिमाग को भी मान जाऊंगा और यह भी मानूंगा कि प्रकृति विज्ञान से क्या बड़ी होनी है!

मैं बिना रुकने के तिरु सेना करना चाहता हूं! लेकिन मुझे इस युग के बारे में कुछ नहीं पता! मैं तो इस इहर का नक्का तक नहीं जानता!



वैसे तो हमारी उन्नत वैज्ञानिक तकनीक से लैस हमारे जासूस क्रिस्टल का पता जल्दी ही लगा लेंगे!



जब दिमाग तुम्हारे साथ है तो डरने क्यों हो ध्रुव! वैसे भी तुम्हारा मार्ग दर्शन करने के लिए इंसपेक्टर डाटा तुम्हारे साथ रहेंगे!

ठीक है! पूरा सेना मैं आपके चैलेंज के कारण नहीं बल्कि मानव जाति को बचाने के लिए करूंगा!



सन् 2003 - वर्तमान युग-

वह रहस्यमय किंगकांग  
ध्रुव को अपने साथ ले  
गाया, और हम कुछ भी  
नहीं कर पाए।

ओफ़! ये... ये मैंने  
क्या किया? मैंने क्यों किंग-  
कांग की बात मानी! और अभी  
भी मैं कुछ नहीं कर पाया! पर  
अब मैं अपने आपको आजाद  
महसूस कर रहा हूँ!

ये आप क्या कह रहे हैं, पापा?  
ये किंगकांग कौन है? ऐसा लगता जैसे कि  
आप उसको पहले से ही जानते हों। क्या यह  
वह डारक्स था जिसने आपको हथियारों की  
तस्करी के लिए मजबूर किया था? अगर ऐसा  
है तो आप ये भी जानते होंगे कि किंगकांग ध्रुव  
को कहां ले गया है! हमें ध्रुव को बचाना होगा!



हां! सिर्फ ध्रुव को बचाना ही नहीं होगा, बल्कि किंगकांग को भी काबू में करना होगा! और यह काम आसान नहीं होगा! मैं भी उसके आदेश से तभी आजाद हो पाया जब मैंने माता को दूसरे के हवाले कर दिया!

मैं कुछ समझी नहीं!

फिर भी हमको ध्रुव को बचाने के लिए जाना ही होगा, रोबो!

ठीक है! मैं मूसा से हेली-कॉप्टर तैयार करने को कहता हूँ!

मैंने किंगकांग को उसका माता ले जाने से मना कर दिया था! लेकिन उसने मेरी आंखों में देरवा और मैं उसका काम करने के लिए मजबूर हो गया! किंगकांग के पास कुछ आश्चर्यजनक शक्ति है नताशा!

ध्रुव जहां पर भी था, गहरी मुसीबत में था-

हम पहली बार मिल रहे हैं सुपर कमांडो ध्रुव! तुम मुझको नहीं जानते, लेकिन मैं तुमको बहुत अच्छी तरह से जानता हूँ!

तुमने पहले भी मुझको काफी नुकसान पहुंचाया है! लेकिन अब तुम अपनी हठे पार कर गये हो! और ऐसा तुम सिर्फ इस लिए कर पाए, क्योंकि तुमको कहीं से आश्चर्य-जनक शक्तियां मिल गई हैं! मैं जानना चाहता हूँ कि ये शक्तियां तुमको कैसे मिलीं!



बता दूंगा। मेरा क्या जाता है? पर पहले तुम बताओ कि आखिर तुम क्या चाहते हो? पैसा तो नहीं चाहते होगे। वरना ऐसी सड़ी और सीलन भरी गुफा के बजाय किसी आत्मीयान स्वर कंडी शंड बंगले में रह रहे होते!



तुम्हारा दिमाग वाकई झानदार है। इस बात को पहली बार कोई मुझसे पूछ रहा है। क्योंकि कभी किसी ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया।

अब सारी दुनिया के आतंकवादियों को मैं हथियार और गोला-बारूद सप्लाई करता हूँ। अब सिर्फ यह बताना बाकी रह गया है कि इसके पीछे मेरा मकसद क्या है!

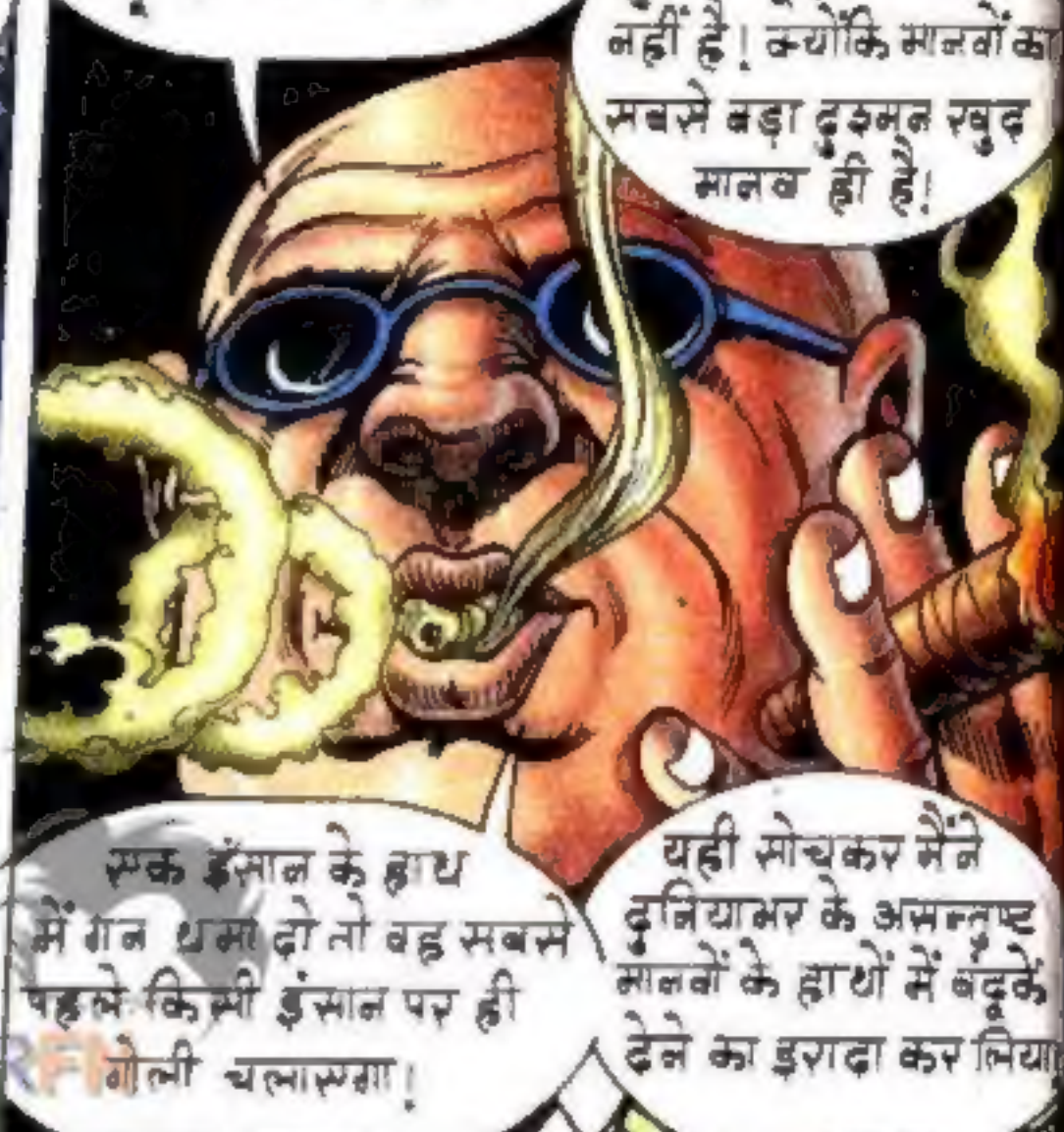


और वह मैं तुम्हें मरने से पहले जरूर बनाऊंगा!

ये मेरा वादा है!

जरूर बताना!

पैसा कमाना कभी भी मेरा मकसद नहीं रहा। पैसा तो मेरे हाथों की मैल है। जब रगड़ूंगा, पैसा पैदा हो जाएगा।



मेरा मकसद है मानवों की तबाही! और उसके लिए मुझे मानवों का दुश्मन बूंदने की जरूरत नहीं है। क्योंकि मानवों का सबसे बड़ा दुश्मन खुद मानव ही है!

एक इंसान के हाथ में गन थमा दो तो वह सबसे पहले किसी इंसान पर ही गोली चलाएगा!

यही सोचकर मैंने दुनियाभर के असन्नत मानवों के हाथों में बंदूक देने का इरादा कर लिया।







सन् 2196-

हम इस युग के सबसे बड़े अपराधी संगठन हैं। अगर हमने मिलिकॉन क्रिस्टल को नहीं चुराया तो फिर ये काम और किसका हो सकता है?

जिसका भी यह काम है हमको उसको दूँद निकालना होगा। इस क्रिस्टल पर हमारी नजर बहुत वर्षों से थी, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण हम कामयाब नहीं हो पा रहे थे। अब जबकि उस क्रिस्टल को सुरक्षा घेरे से निकाल लिया गया है, तब हमें उसको हासिल करना ही होगा। अगर वह क्रिस्टल हमारे हाथों में आ गया तो मानवों की किस्मत और उनका भविष्य भी हमारे हाथों में आ जाएगा।

ऐसा ही होगा। आज तक सिर्फ एक इंसान हमको रोक पाने में सफल हो पाया था। और यह बात लगभग दो सौ साल पहले की है।

तुम सुपर कमांडो ध्रुव की बात कर रहे हो। अरे, अब ऐसे इंसान कहाँ पैदा होते हैं।

वैसे भी बुरी बातें याद मत रक्वा करो।

ऐसी बुरी घटनाएँ याद नहीं...  
... अरे! खौं खौं खौं...

क्या हुआ? पीते-पीते ड्रिंक कैसे सरक गया?

इमेज मेकर पर देरब ! खौं खौं खौं ! तेरी पेंट सरक जायगी!

ऐसा क्या दिख रहा है स्क्रीन पर? अरे...

...स... सुपर... सुपर कमांडो ध्रुव इस युग में! यहाँ पर! पर कैसे?

ये जरूर किसी की झरारत है। कोई इंसान ध्रुव का रूप धरे हुए है!

हो भी सकता है! और नहीं भी!

जांच करनी होगी! अपने आदमी को इसे रोकने के लिए भेजो!







क्योंकि तुम्हारा काम तमाम  
करने आ गया है वैक्यूम  
बूम.

बच्चे, ध्रुव!  
तुरन्त गाड़ी से  
बाहर निकलो!

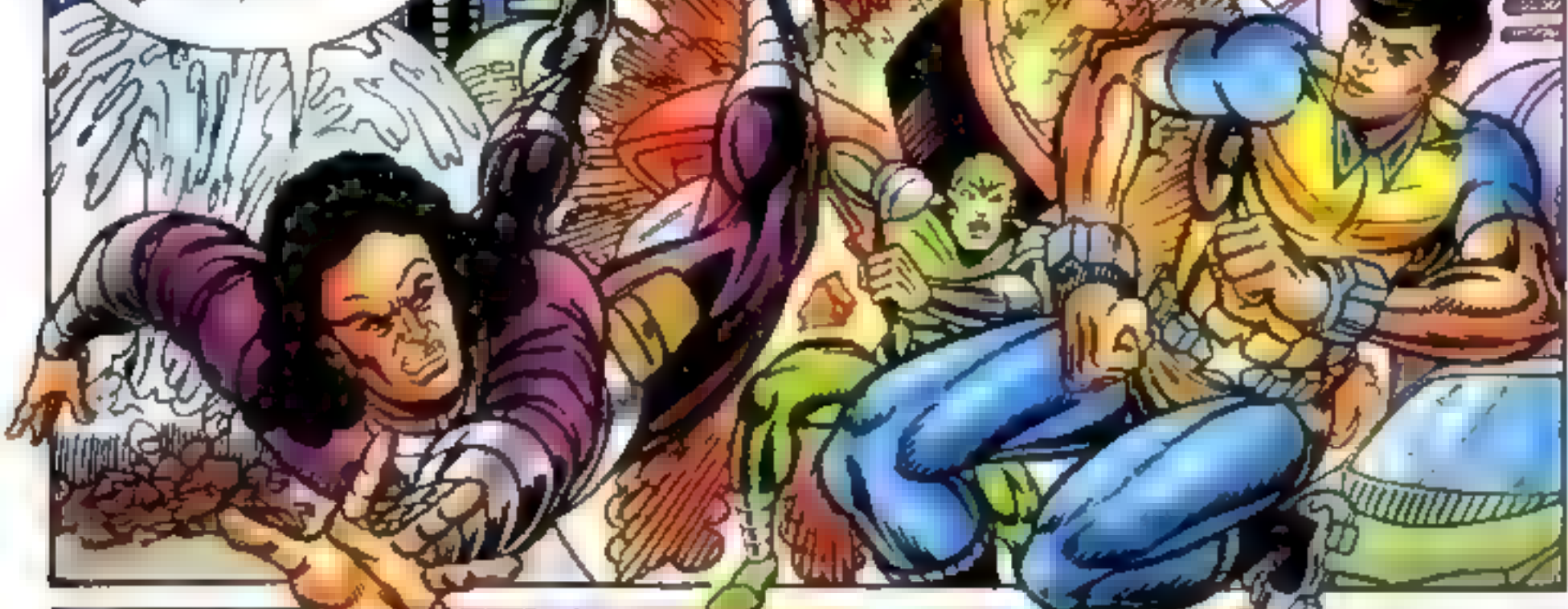
ऐसा क्या है इस  
वैक्यूम बूम में जो  
तुम्हारे जैसा जीवा ज  
इंस्पेक्टर भी इससे  
बचने की कोशिश कर  
रहा है ?

ये इस डालाबंदी का सबसे  
खतरनाक हथियार है, ध्रुव! यह वैक्यूम-  
ग्रेनेड फेंककर वायुरहित वैक्यूम पैदा  
कर देता है!

और उस वैक्यूम के अंदर हर  
ऐसी चीज फट जाती है जिसमें  
प्रेसर युक्त कोई भी चीज लगी हो।  
जैसे गैस से चलने वाली हमारी कारें...



या जमीन के नीचे  
स्थित हमारी गैस और वाटर  
पाइप लाइनें...



... और इसका  
सबसे बुरा असर होता है  
इंसानों पर। जिनके ऊपर  
के अंदर बहने खून का  
दबाव उनकी नसों और  
स्नायु को फाड़कर उनकी मिल्क  
खून से पूरी लाइनें  
बना देता है।

आप लोगों के पास  
तो अत्याधुनिक हथियार  
हैं। आप सब पूरे ग्रहों को  
धूल का गुबार बना  
देने लायक हथियार  
भी हो। फिर इस  
हत्यारे को आप लोग  
खत्म क्यों नहीं  
कर पाते ?



हमने इस पर न्यूक्लियर  
हथियारों तक का प्रयोग कर लिया है  
धुब ! लेकिन नुकसान हमारा ही हुआ,  
हमका नहीं !

ये खूब भी सच 'वैक्यूम डीकड'  
में रहना है, हमारा कोई भी हथियार  
इसकी 'वैक्यूम डीकड' को पार नहीं कर  
पाता है.



अगर हम निर्बल में जिन्दा नहीं रह सकते तो ये निर्बल में कैसे जिन्दा रह लेता है?

इसकी यही स्वामियन ने अभी तक इसकी रक्षा कर रही है! यह निर्बल में ही जिन्दा रहना है! इसीलिए हर वक़्त इसके चारों तरफ़ एक 'वैक्यूम झील' चढ़ी रहनी है!

अगर हम किसी तरह से इसके फेफड़ों में हवा पहुंचा सकें तो यह बेबस हो जाएगा!

यह आइडिया हमको भी कई बार आ चुका है, पर हवा को इसके कवच के अंदर तक पहुंचाना असंभव है!

तब तो इसको खत्म करना काफी आसान है सिद्धांत!

और मान लो कि अगर किसी तरह से हवा इसकी 'वैक्यूम-झील' के अंदर पहुंच भी गई तो ये उसको पलभर में बाहर निकाल फेंकेगा!

तब तो हमें पहले इसकी 'वैक्यूम झील' को नष्ट करना पड़ेगा; इसको 'वैक्यूम झील' पैदा करने के लिए किसी न किसी ऊर्जा के स्रोत का इस्तेमाल तो करना ही पड़ता होगा! बस, हमको उसी स्रोत यानी सोर्स को नष्ट करना है!

मैं तुम्हारा बड़ा प्रशंसक हूँ भूव! पर ऐसी सलाह देकर तुम मुझको निराश कर रहे हो! ऐसे तरीके तो हम खुद भी सोच सकते हैं!

दरअसल इसकी ऊर्जा का स्रोत तो इसका शरीर ही है! और उसको नष्ट करने के लिए पहले वैक्यूम झील को नष्ट करना पड़ेगा! देखा, बान वही की वही आ गई!



निराशा होने की जरूरत नहीं है  
इंस्पेक्टर मिहता! अब मैं कोई और  
तरीका सोचूंगा!

उसका समय हमको इंतजार  
न मिल पाएगा ध्रुव! क्योंकि अब  
यह हमको कैद करने के लिए  
निश्चय साधकर 'वैक्यूम बम'  
फेंक रहा है!

अच्छी ही कोई न कोई बम की  
निर्वाण कैद हमको अपने अंदर  
खींचकर हमको भी सांस के  
सोथड़ों में बदल देगी!



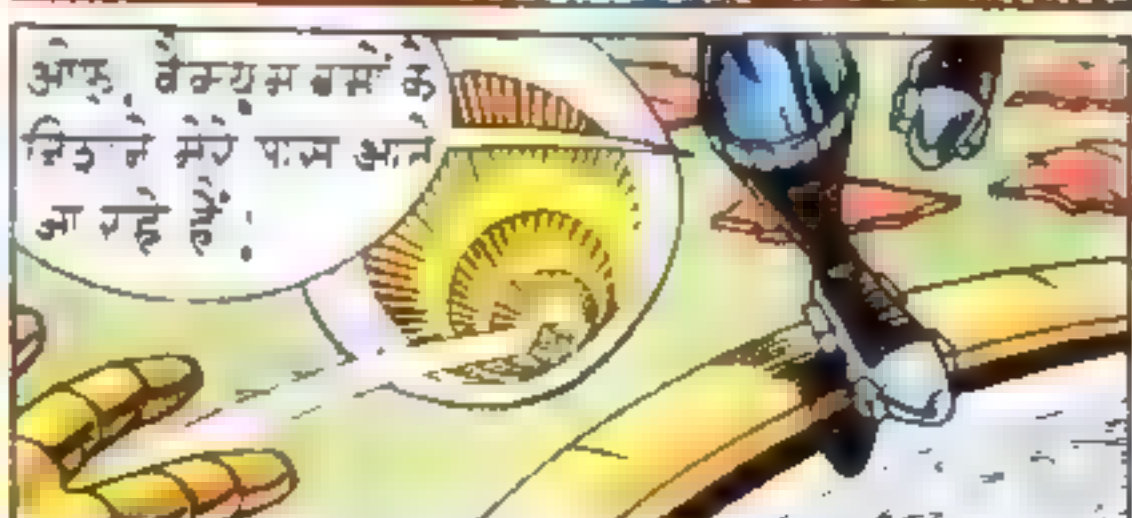
तब तक कोई  
आइडिया आने तक बचने  
रहना होगा, मिहता!

बचने के रास्ते खत्म हो रहे हैं ध्रुव!  
अब यह अपने 'वैक्यूम बमों' को  
बाहनों के अंदर फेंक रहा है! अब  
वैक्यूम बम कारों के अंदर में फड़ेगा  
और घातक लूकाले धातुई टुकड़े  
चारों तरफ हवा में उड़ेंगे!

और कोई न कोई टुकड़ा  
हमको अपने निशान बना ही  
लेगा!



मिहता! ओह!  
मिहता बेहोश हो  
रहा है! अब तो  
मृत्यु बचाना तो दूर  
सत्याह देने वाला  
भी कोई नहीं है!



ओह! वैक्यूम बमों के  
फिटने में पल आने  
आ रहे हैं!



ध्रुव ने बचने की  
कैडिडा ने भरपूर की-

लेकिन वैक्यूम के बढ़ने  
की गति बहुत तेज थी-

आह! इस  
वैक्यूम गॉले ने  
मुझे अपनी  
कैद में ले लिया है,  
अब मैं यहां से  
बाहर नहीं निकल  
सकता!

आह! भरने के  
अंदर से आने वाली  
का प्रेशर भरने को  
ताड़ रहा है, मुझे  
इसके उड़ने हुए  
टुकड़ों से भी बचना  
होगा!

लेकिन भरने के उड़ने  
टुकड़ों से बचकर होगा भी  
क्या? यह वैक्यूम जो दो पलों  
में ही मेरी आँखों को फाड़-  
कर मेरे खून को डरीर से  
बाहर निकाल लेगा!

मौन, ध्रुव को डबेचने ही बची थी-

आह, ये रानी का नाखून  
अब इसके अंदर जैसा कैद  
प्रेशर नहीं है जिस पर वैक्यूम  
का असर हो सके!

मैं पानी में भी सांस ले सकता हूँ,  
और पानी के अंदर रहकर मैं  
वैक्यूम से भी बच सकता हूँ!

फंकड़ों से तो हवा  
पहले ही निकल  
चुकी थी!

अब बचने का  
कोई रास्ता नहीं  
रहता!



तू पानी में इतनी देर में घुसा है लेकिन फिर भी तेरा दम नहीं घुटा, अब मुझे खुद ही तेरा दम घोटना पड़ेगा!

अपनी 'वैक्यूम. सील्ड' के साथ तुमको कैद रखने वाले 'वैक्यूम गोले' में घुसना पड़ेगा मुझे,



और तेरी बुद्धिमत्ता तुम्हें अपने इन दो हाथों से मोड़ना पड़ेगा!



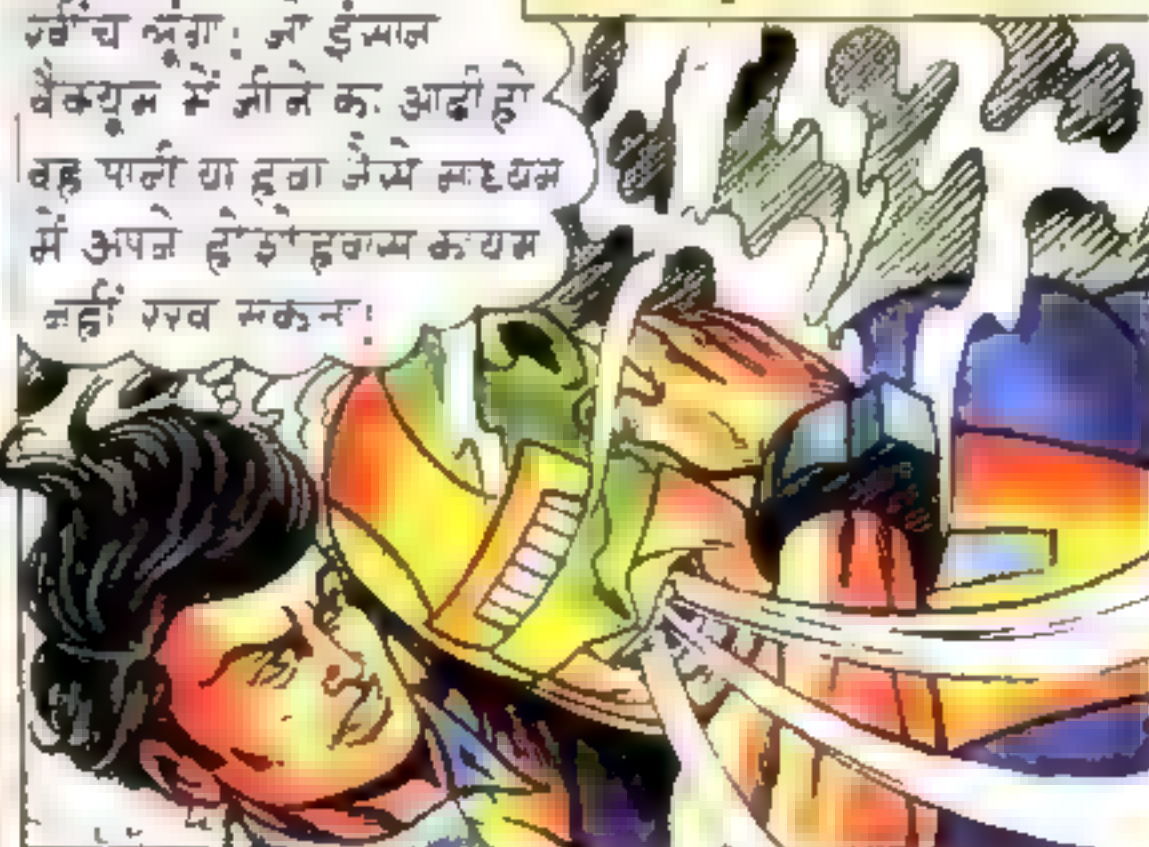
यही तो मैं चाहता हूँ! अब मेरे और तुम्हारे बीच में कोई रुकावट नहीं है!

अब ये जैसे ही मुझे पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाएगा, वैसे ही मैं इसके हाथ को पकड़कर...



... तुमको पानी के अंदर खींच लूंगा! जो इंसान वैक्यूम में जीने का आदी हो वह पानी या हवा जैसे माध्यम में अपने ही हावामय कण नहीं रख सकता!

इस बार ध्रुव का खतल सही था-





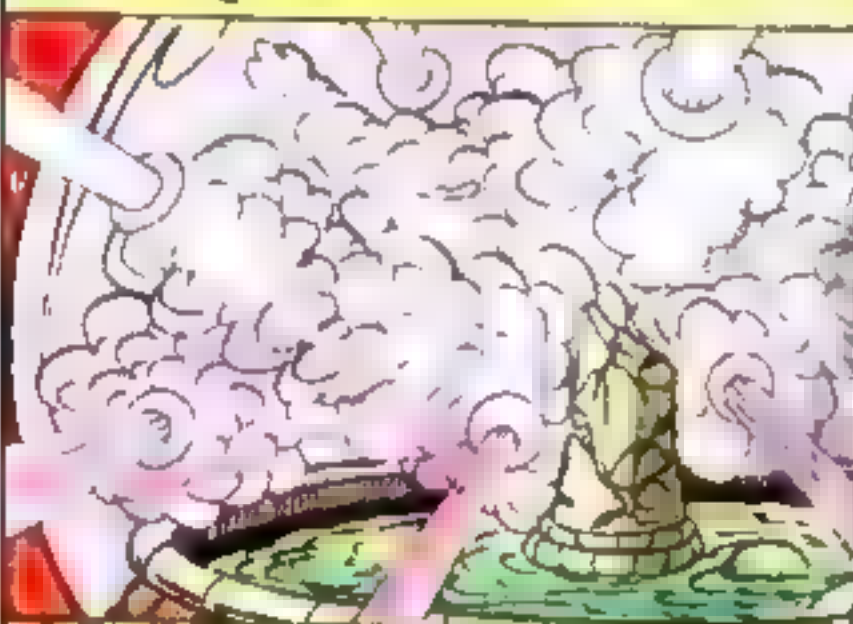
पानी, 'वैक्यूम बूम' का दम घोंट रहा था-

आsssह! गड़ब! ये... ये पानी मेरे होठों को नष्ट रहा है! और मुझे अपनी 'वैक्यूम डील्ड' को फिर से बनाने का मौका नहीं दे रहा है! अहह! गड़ब!

वैसे-वैसे ही

उसके शरीर की ऊर्जा में चलने वाली

उसके वैक्यूम बूमों की निर्गत कैद भी कमजोर पड़ने लगी-



और जल्दी ही बाहर के वायुमंडल के दबाव ने वैक्यूम गोले को भेदना शुरू कर दिया-

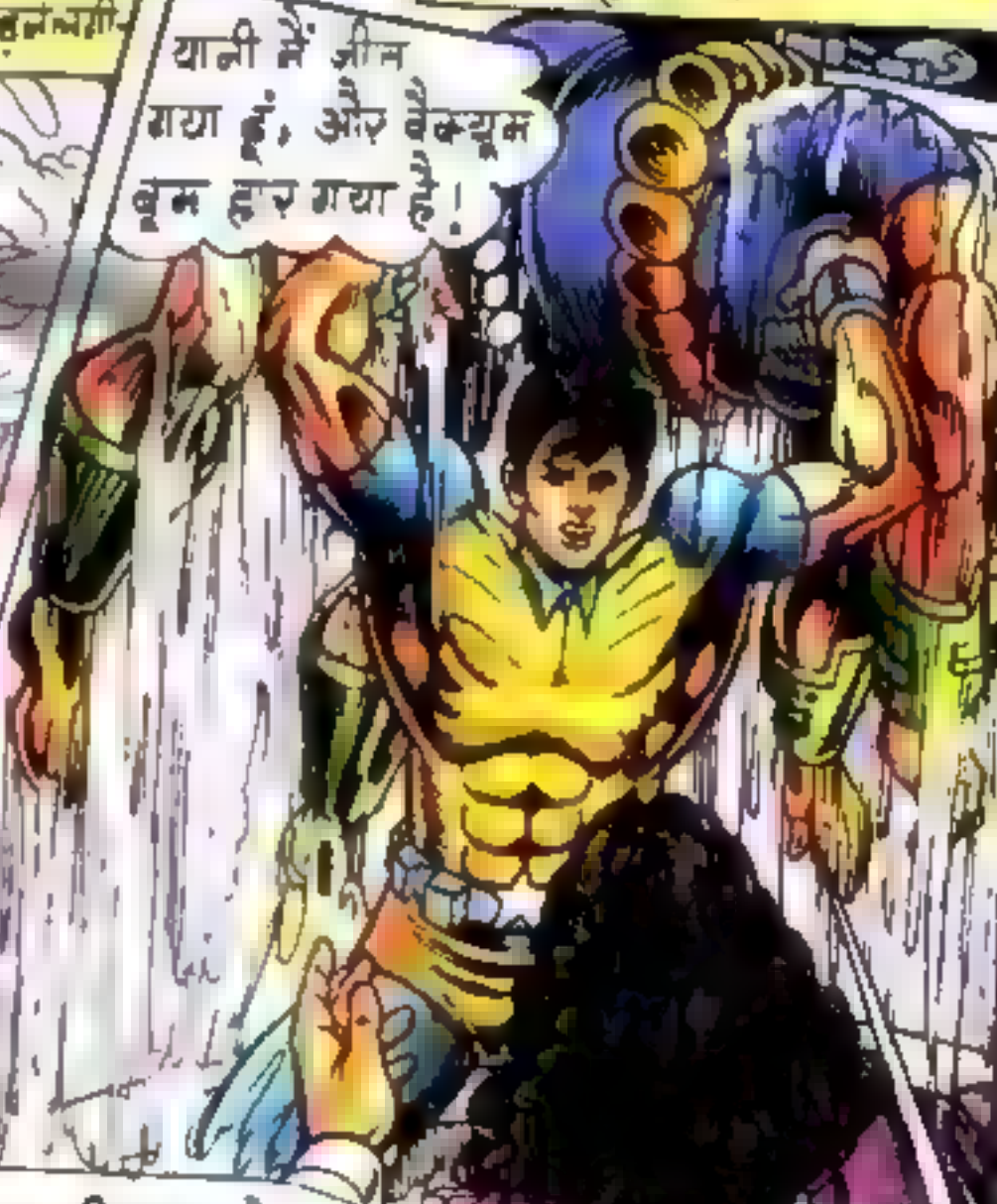
आsssह! अब मैं सांस ले सकता हूँ! नसों पर खून का बढ़ता दबाव भी खत्म हो गया है!



कमल कर दिया तुमने ध्रुव! जिस पर न्यूक्लियर हथियार तक बैठाकर रहे, उसको तुमने पानी पिला-पिलाकर हरा दिया! पहले मैंने तुम पर डाक किया था! अपने भगवान पर डाक किया था!

जैसे-जैसे 'वैक्यूम बूम' के होठ गायब होते गए-

यानी मैं जीव गया हूँ, और वैक्यूम बूम हार गया है!



उसके लिए मुझे माफ़ कर देना

प्लीज इम्पेक्टर, ऐसी बातें कह कर मुझे डमिन्दा न करें!



सबसे पहले तो हमको इस गुन्धी को सुलझाना होगा कि इस युग में आपके अत्याव सेमा और कौन है जो मुझको सिर्फ जानना ही नहीं है, बल्कि उसको मुझसे खतरा भी है!

वर्न वह मुझको मारने के लिए इस इलाके के सबसे खतरनाक हथियार को न भेजना

जायदाद वहां पर हमको कोई सेमा सुबूत मिल सके जो हमको उस इंसान या कहीं इतना न कर पहुंचा सके जिसने मुझ पर हमला करने की कोशिश की थी। क्योंकि मुझे पता रहा है कि इन दोनों घटनाओं के पीछे एक ही शरणा का हाथ है!



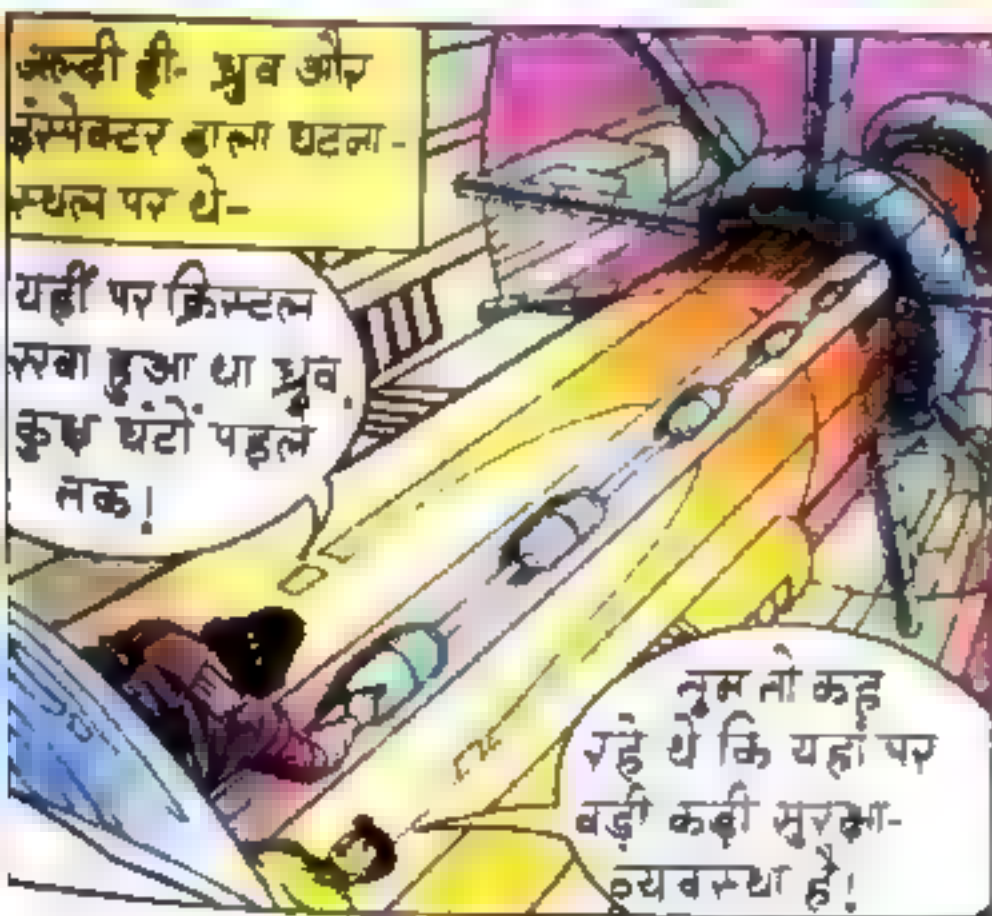
तुम तो उस बीते जमाने की याद हो ध्रुव, जिसको आज के इंसान कभी के भूल चुके हैं। मरुभूमि में नहीं आना कि आज के युग का इंसान, प्राचीन युग के किसी इंसान से क्यों डरेगा?

मरुभूमि तो पड़ेगा इंसपेक्टर। किन्तु हमको किन्तु की चेरी वाले घटनास्थल पर चलाना चाहिए।

सेमा ही होगा ध्रुव, वह तुमको किन्तु दंडने से रोकना चाहता होगा, वर्न तुम पर कोई भी भय हमला क्यों करेगा?

पर यहां तो न कोई पहरेदार है और न ही अत्याव सिस्टम।

इस युग में उनकी जरूरत है भी नहीं ध्रुव!



जल्दी ही- ध्रुव और इंसपेक्टर बाला घटना-स्थल पर थे-

यहीं पर किन्तु मरा हुआ था ध्रुव, कुछ घंटों पहले तक!

तुम तो कह रहे थे कि यहां पर बड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है!



किन्तु तक पहुंचने के लिए हमको सबसे पहले अपनी 'क्वियरेंस चिप' को इस स्कैनर में डालना होगा।

और जैसे ही स्कैनर चिप को स्कैन करेगा...



दीवार में बना यह खांचा खुल जायगा। एक 'क्लियरेंस कार्ड' से एक ही खांचा खुलेगा। तुमको भी अपने कार्ड से एक खांचा खोलना पड़ेगा। और फिर इस खांचे में खड़े हो जाने पर इसमें लगी 'चमिट-बेल्ट' हमको अंदर लगी एक लिफ्ट तक ले जाएगी!

और जल्दी ही-

अब हम लिफ्ट के अंदर आ गए हैं ध्रुव! यहां पर मुझको अपना पुलिस बैच का कोड डायल करना पड़ेगा। तब ये लिफ्ट चलेगी।

तब तो हमको यह भी पता चल सकता है कि क्रिस्टल की चोरी से ठीक पहले यहां पर कौन-कौन आदमी आए थे!

लेकिन अभी तक कोई भी ऐसा आदमी नहीं मिला है जिस पर डाक किया जा सके!

बहु लिस्ट हमने पहले ही बिकाल ली है ध्रुव! उन सभी लोगों की जानबीन पुलिस के डिटेक्टिव कर रहे हैं!

और वह आदमी तुमको मिलेगा भी नहीं ध्रुव! इससे पहले कि तु मुझ तक पहुंच सके!

मैं तुम्हें छुटने देकने के लिए मजबूर कर दूंगा! सिर्फ मिट्टा या उसके दोस्त ही नहीं, मैं भी जानता हूँ कि तु कितना खतरनाक है! इसलिए तुम्हें अपने तक नहीं पहुंचने दूंगा मैं!



दो अलग-अलग हथियार ध्रुव के पीछे पड़े हुए थे। और दोनों के अकसम अलग-अलग होते हुए भी रुक थे-

दोनों ही ध्रुव नाम के स्क्वैड को समझते थे और उसको क्रिस्टल तक पहुंचने से रोकना चाहते थे-

लेकिन पूरा कोड भर नहीं पया-



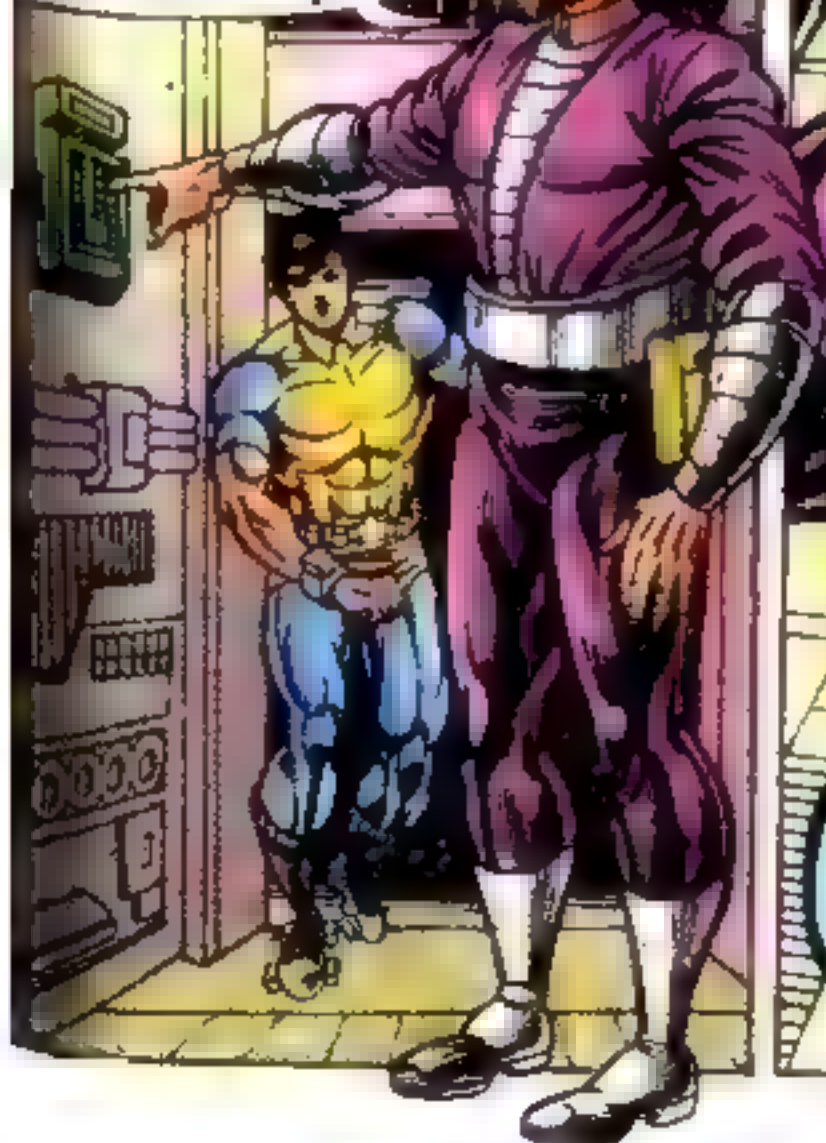
लेकिन ध्रुव ने उनके पास पहुंचने की कोशिश जारी रखी हुई थी-

ये कॉरीडोर सिनिकॉन क्रिस्टल के कक्ष तक जाता है।

लेकिन उससे पहले मुझे रुक और सीक्रेट कोड ब्रैक में भरना पड़ेगा।

वर्ना हमारे इस कॉरीडोर के काले हिस्से में घूमते ही लेसर किरणों का सिनिकोपिटी 'ब' चालू हो जाएगा! जो आपको पलभर में जलाकर राख कर देगा!

मिट्टा ने शुरुआत तो की-



आऽऽ हू!  
फोटॉन मैन!

फोटॉन मैन ?  
ये कैसी मूर्खी बंधन  
लगे ?



फोटॉन में कैसी मुसीबत है इसके बारे में कोई कुछ नहीं जानता। इसके बारे में मैंने सिर्फ सुना ही है ये प्रकाश कण फोटॉन से बना एक प्राणी है। यह प्रकाश की गति से चल सकता है और उच्च तापमान भी पैदा कर सकता है।

ये एक मिली प्रोजेक्ट है। इसको तो अभी सिर्फ प्रायोगिक स्तर पर होना चाहिए था। ये... पूरा बनकर यहाँ कैसे आ गया?

इस पर तो हमारा कोई भी हथियार असर नहीं करेगा!

अब तो ये आ ही गया है पर ये अब करेगा क्या?

कोई पूरा नहीं भर पाया है। लिफ्ट भी बंद हो चुकी है। हम वापस नहीं जा सकते। अब या तो हम इसके हजारों डिग्री गर्म हाथों को छूकर मरेंगे या उस लेजर किरण के जाल पर मरेंगे जो हमारे द्वारा फर्श को दाबे जाने ही पैदा हो जाएगा!

और ये हमको उस तरफ ही धकेलने की कोशिश कर रहा है!



क्रिस्टल में दिलचस्पी रखने वाले हर शरणा की निगाहें उस दृश्य पर टिकी हुई थीं-

ये क्या हो रहा है? ये तो फोटॉन मैन है! हमको यह पता तक नहीं था कि इसको बना लिया गया है पर... पर अगर हमने इसको नहीं भेजा तो इसको भेजने वाला भला कौन हो सकता है!

वह चोर जिसने क्रिस्टल चुराया है! फोटॉन मैन को उसी ने भेजा होगा ताकि ध्रुव मारा जाए और उस तक न पहुंच पाए!

फिर हमको क्या करना चाहिए? रानी सजेडन?

ध्रुव और सिद्धांत जैसे प्राणी के सामने पड़ गए थे जिसका निर्माण उस उच्च तकनीक से हुआ था, जिस तकनीक के पास खुद उसको नष्ट कर पाने का तरीका नहीं था-

आइसह। मेरा पैर काले हिस्से पर पड़ गया है ध्रुव, और मेजर वेब बनना शुरू हो गया है, हम दोनों तरफ से घिर चुके हैं! अब हम नहीं बचेंगे!

हमको फोटॉन मैन पर नजर रखनी होगी! यह हमको क्रिस्टल के चोर तक भी पहुंचाएगा और ध्रुव को भी मारेगा, हमारे दोनों काम हो जाएंगे

मौत सिर्फ 2196 में ध्रुव के सामने थी-



सन् 2003 में तो ध्रुव  
खुद मौत का रूप धारण  
कर चुका था-

मेरा खेत खत्म  
हो गया है किंगकांग!  
अब अगर तू खुद खत्म  
होना नहीं चाहता तो  
मुझको मानवों को नष्ट  
करने के पीछे धिपा हुआ  
अपना मकसद बता  
दे!

वह मकसद  
तो बाद का है!

फिल्महाल तो मेरा मकसद तेरी  
आश्चर्यजनक शक्तियों का रहस्य  
जानना है! और यह भी कि तू  
पर मेरी शक्तियों का असर क्यों  
नहीं हो रहा है!

रोबोट ध्रुव भविष्य की वैज्ञानिक शक्तियों से युक्त होने के बावजूद भी  
किंगकांग की शक्तियों का मुकाबला नहीं कर पा रहा था-



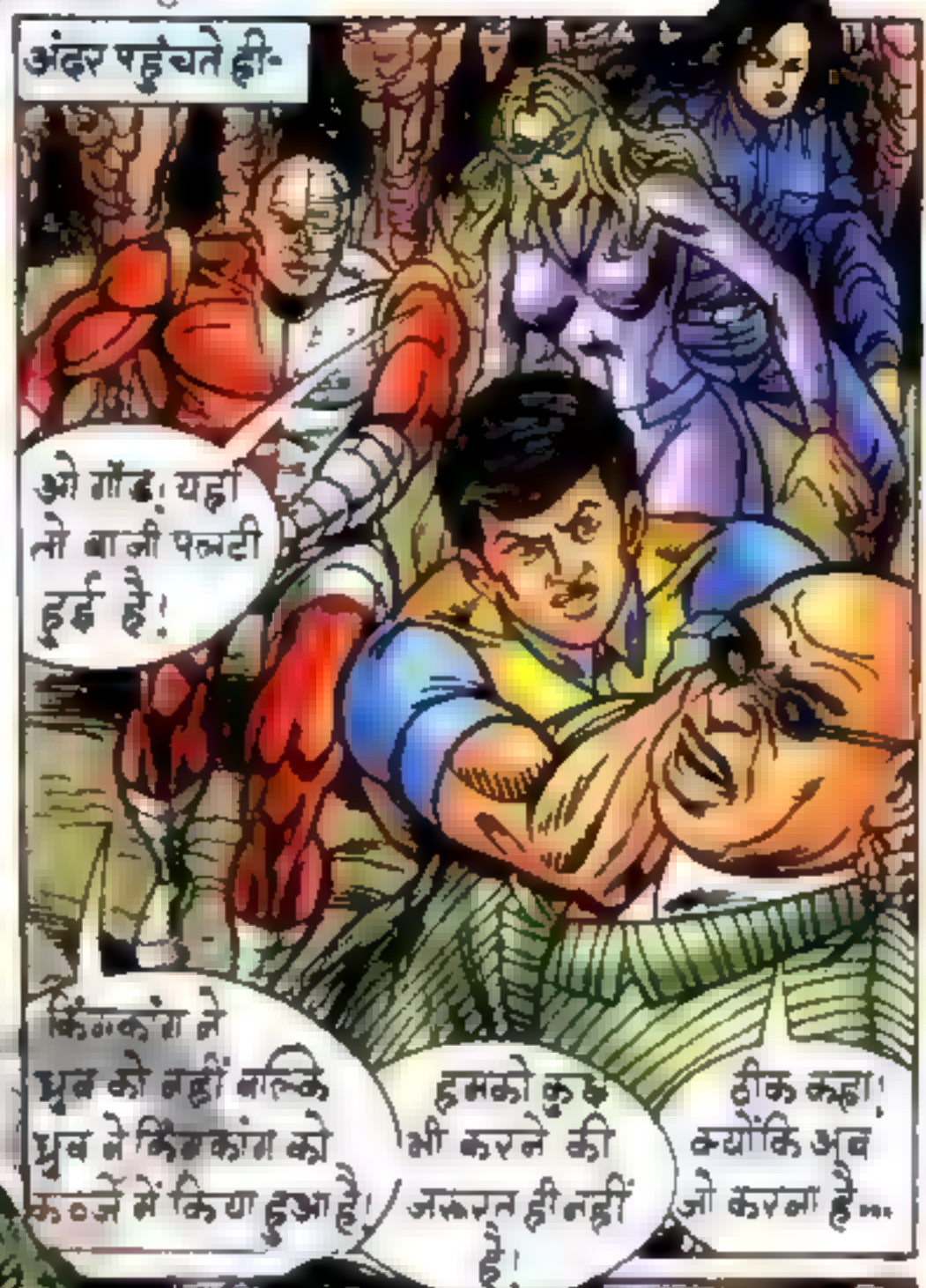
लेकिन मदद ज्यादा दूर नहीं थी-



यही है किंगकांग का  
अड्डा! चारों तरफ हमारे  
पालतू गुरिल्ले फैले  
हुए हैं! पर छबराओ  
मत! ये मुझको  
पहचानते हैं! इसीलिए  
ये मुझ पर हमला  
नहीं करेंगे!

लेकिन यहां से बाहर जाना  
अंदर आने जितना आसान नहीं होगा







उसको रोकना हमारे बस से बाहर की बात है। अब तो बस उस इन्फिनि का ही आसरा है जिसने ध्रुव से पहले इस मेरे मुकाबले के दौरान मेरा साथ दिया था। मेरे हैलीकॉप्टर को बगैर पंखों के ही उड़ा दिया

था।



वह इन्फिनि मेरी थी मूर्ख! तब मुझको तुम्हें बचाना था। अब तो मैं चाहता हूँ कि तू मरे! ताकि मेरे खिलाफ कोई भी सूबून न रहे!

तब तो मुझे तुमको ही काबू में करना पड़ेगा! ताकि तुम ध्रुव को अपने कंट्रोल में मुक्त कर दो!

ध्रुव को थोड़ी देर के लिए उलझाकर रखना रोने!



ध्रुव अब तेरा नहीं, मेरा है लड़की...

और बीसे भी यह ध्रुव हाड़मांस का पुनर्जा नहीं एक रोबोट है, रोबोट! ये हमेशा से ही रोबोट रहा होगा!



वर्ना एक इंसान में इतनी बुद्धि और तर्क तो हो ही नहीं सकता कि वह सुपर पावरों से भरे दर्जनों स्वतन्त्रों को मान दे सके!



मैंने आतंकवादियों को जेल से छुड़ाने के लिए पहले उस पर्वतारोही को अदभुत अभिनय देकर जेल में भेजा, जिसको हमने इसी पर्वतमाला पर अधमरी हालत में पाया था। उसको ध्रुव ने मार दे दी। फिर मैंने डिकर को आर्मी डिपो से हथियार लाने के लिए भेजा। वह साइज में छोटा होकर धौलापुर आर्दिनेंस फैक्ट्री से आर डिब्बों में घुसकर अंदर तो पहुंच गया, पर वहां उसको ध्रुव से पिटला पड़ा। किस्मत ने उसको बचा लिया था। वरना वह बचकर आ नहीं पाता। उन दोनों को हराने का काम कोई इंसान नहीं कर सकता था। जाहिर है कि ध्रुव एक रोबोट है।

और यह सरचार्ज समझने ही मैंने अपने बारी का तरीका बदल दिया। और ध्रुव मेरे कब्जे में आ गया। जब नुम अंदर आए तो मैं ध्रुव से पिट नहीं रहा था बल्कि अपने ऊपर ही यह टेस्टिंग कर रहा था कि ध्रुव मेरे कब्जे में आ गया है या नहीं।

ध्रुव इंसान हो या रोबोट, लेकिन ध्रुव ज्यादा देर तक तुम्हारे कब्जे में नहीं रहेगा। वह आजाद हो जाएगा और फिर वह तुम्हारा बिल्ला कर देगा।

हम! अच्छा याद दिलाया। ऐसा हो सकता है।

तुम सब ध्रुव के दोस्त हो, सभी तो उसको बचाने के लिए मौत के मुंह में घुस आए, पर धबराओ मत। अब मैं तुमको नहीं मारूंगा, अगर ध्रुव होड़ा में आ भी गया तो तुम तीनों मेरी इंडियोरेंस पॉलिसी बनोगे। तुम्हारी जानें बचाने के लिए वह कुछ भी करेगा।

ले जाओ इन तीनों को और संभालकर बंद कर दो। हमको इनकी जरूरत पड़ सकती है।



वैसे मुझको डरक है कि यह  
रोबोट कभी भी मेरी कैद से  
मुक्त हो पसगा!

जाओ ध्रुव! ऐसी तबाही  
बरसा दो दुनिया पर ऐसी आज  
तक ओसासा भी नहीं बरसा पाया  
होगा! खत्म कर दो इस मानव  
सहायता को जो अपने आपको  
इस दुनिया के हर जीव से  
ऊपर समझती है! जाओ!

और ठारुआत वहीं  
से करो जहाँ के लोग मुझको  
अपना रक्षक समझते हैं!

राजनगर  
से!

हमला शुरू हो गया-

मानव सहायता नष्ट होने लगी-

ये उड़ता  
हुआ डैंगन कौन  
है?

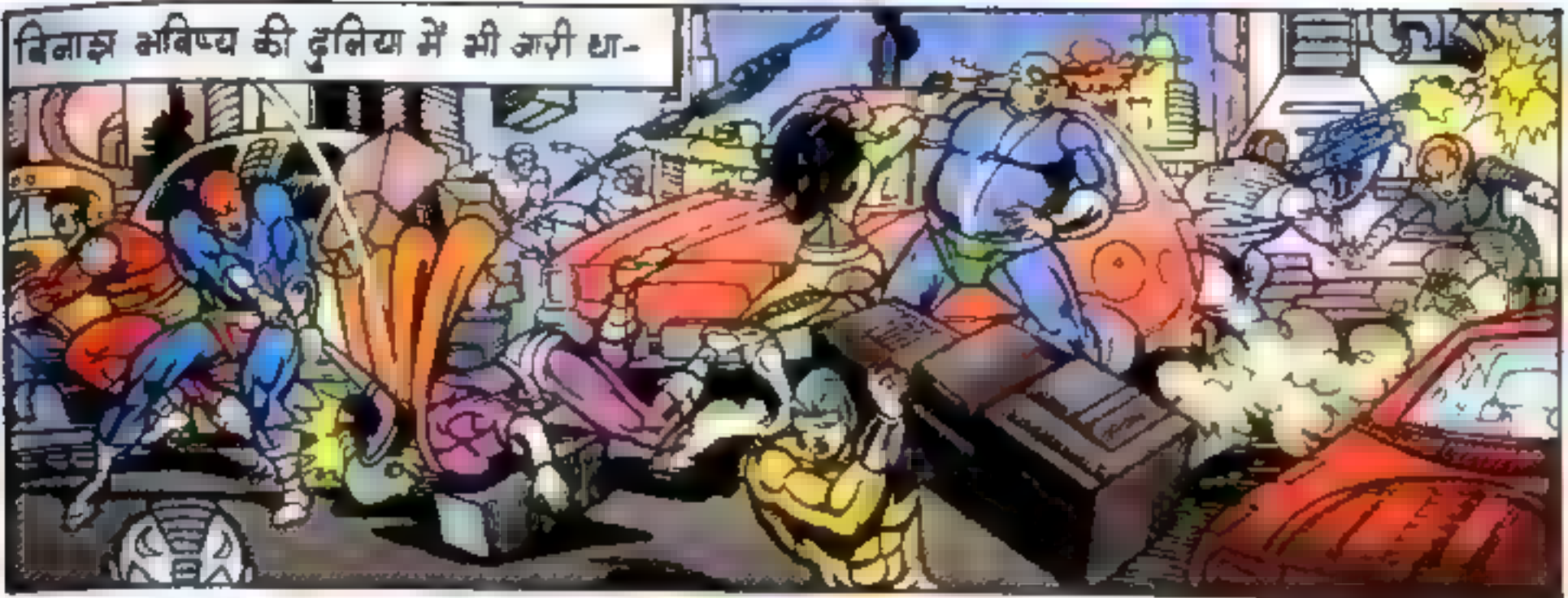
ओ माई गॉड! ये...  
ये तो ध्रुव है! पर इस  
बार ये तबाही को रोकने  
के बजाय खुद तबाही  
क्यों मचा रहा  
है?

वह भी धातुक विस्फोटक  
किरणों के जरिए! ध्रुव के पास  
ऐसी शक्तियाँ कहाँ से आई?

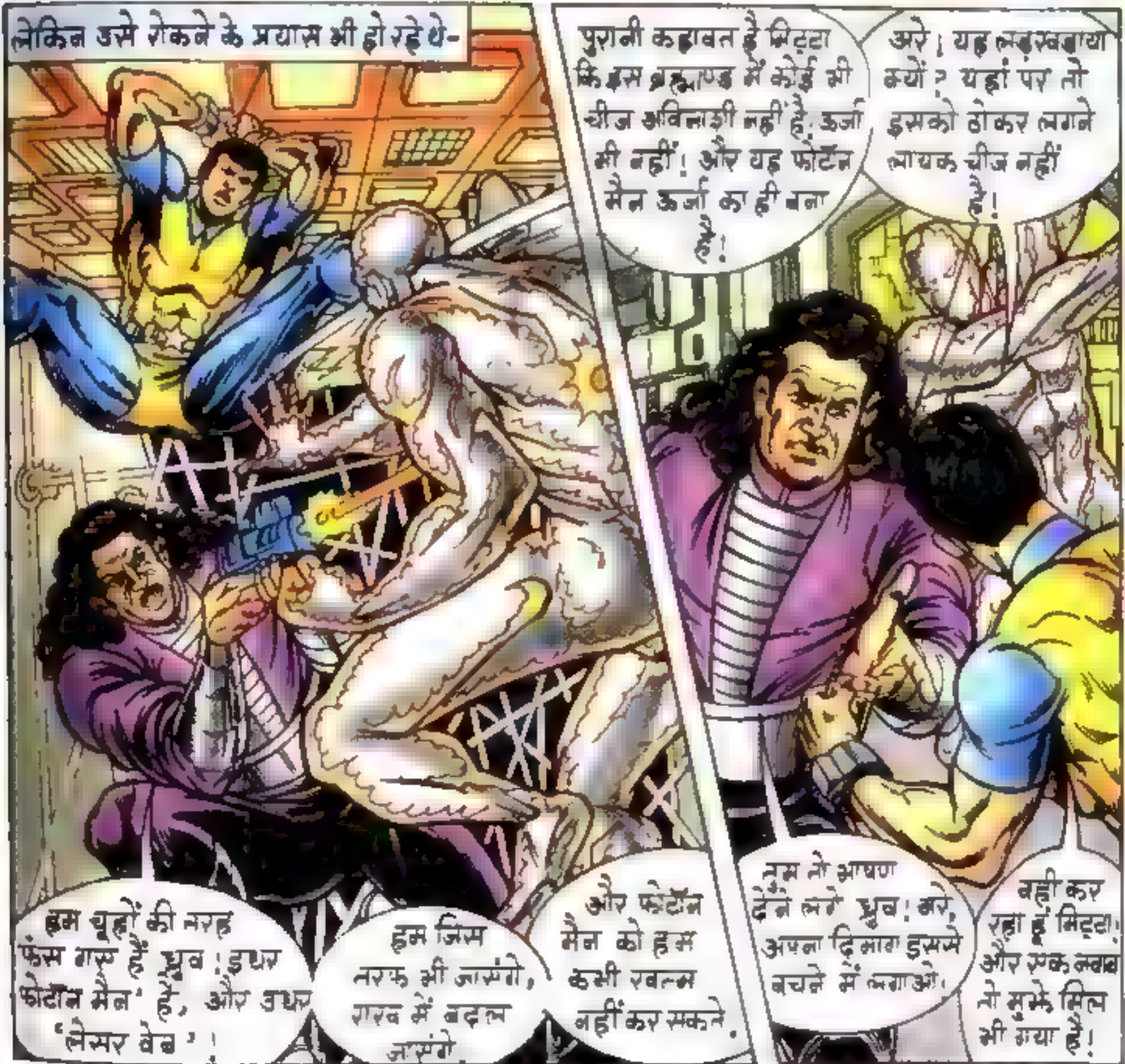
ये... ये ध्रुव नहीं हो  
सकता जबकि ये ध्रुव के रूप  
में कोई डैंगन है!



बिनाइ भविष्य की दुनिया में भी जारी था-



लेकिन उसे रोकने के प्रयास भी हो रहे थे-



पुरानी कहावत है मिट्टा  
कि इस ब्रह्माण्ड में कोई भी  
चीज अविनाशी नहीं है, ऊर्जा  
भी नहीं! और यह फोटॉन  
मैन ऊर्जा का ही बना  
है!

अरे! यह लड़खड़ाया  
क्यों? यहाँ पर तो  
इसको ठोकर लगने  
लायक चीज नहीं  
है!

हम यहाँ की तरह  
फंस गए हैं ध्रुव! डायर  
फोटॉन मैन' है, और उधर  
'लेसर वेब'!

हम जिस  
तरफ भी जाएंगे,  
शरब में बदल  
जाएंगे

और फोटॉन  
मैन को हम  
कभी खत्म  
नहीं कर सकते

तुम ने भाषण  
देने लगे ध्रुव! अरे,  
अपना दिमाग इससे  
बचने में लगाओ

वही कर  
रहा हूँ मिट्टा!  
और एक लख  
तो मुझे मिला  
भी गया है!



किस सवाल  
का जबाब  
धुव ?

'फोटोन मैन' अपने आपमें कोई प्राणी  
नहीं है इंस्पेक्टर मिट्टा! ये सिर्फ एक  
छाया है; फोटोन कणों से बनी एक छाया  
और इस छाया को अपने इज्जतों से कोई  
जीना जानना इंसान या मशीन कहीं और  
से चला रही है!

ये तुमने  
कैसे समझा ?

फोटोन मैन का यहां पर  
बगैर ठेकर भगो लड़खड़ाता यह बताता  
है कि कोई कहीं और पर लड़खड़ा रहा है,  
और उसका रिस्कशन फोटोन मैन पर हुआ  
है।

बान समझ में तो  
आती है। किसी छाया  
यानी प्रोजेक्शन पर  
किसी वार का असर  
जहीं हो सकता  
है।

लेकिन अगर इसको  
कोई और कहीं दूर  
से प्रोजेक्ट कर रहा है  
तो भी इससे फर्क क्या  
पड़ता है! यह समझ  
में तो है। इसको इसे  
रोकने में कैसे मदद  
मिलेगी ?

बल्कि अब तो समस्या  
और कठिन हो गई है। भला प्रकाश  
कणों से बनी छाया को कैसे खत्म किया  
जा सकता है !

लोहे को लोहा ही कट सकता  
है इंस्पेक्टर मिट्टा! वैसे तुम्हारे  
युग के हिस्साब से यह पुरानी  
कहावत है। तुमने शायद  
सुनी भी न हो।

लोहे से काटोगे।  
तुम इसको लोहे से  
नहीं काट सकते,  
धुव!

और... और तुम  
मेजर वैब में क्यों घुस  
रहे हो ? आत्महत्या  
करना चाहते हो  
क्या ?



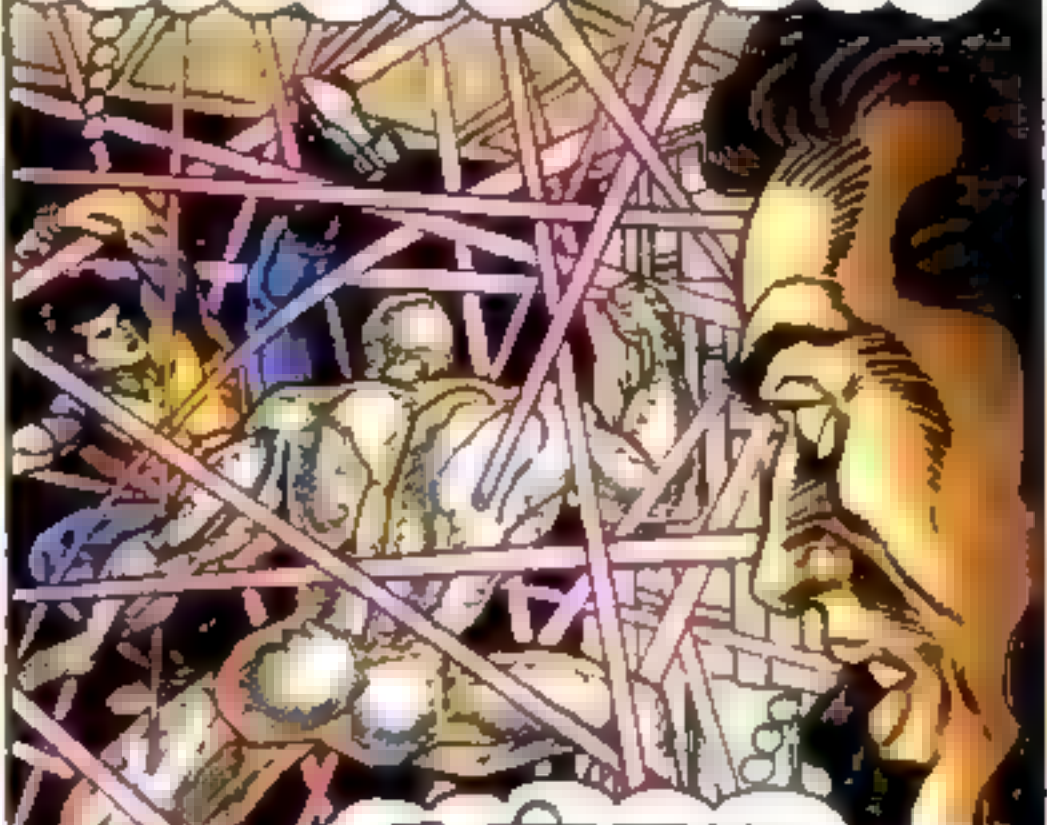
नहीं, इंस्पेक्टर मिदटा, मैंने कभी भी इंसानी जान न लेने की कोशिश की है! और वसमें मेरी जान भी शामिल है!

मैंने इस 'लेसर जल' को समझ लिया है! इसकी किरणों के बीच इतनी सैकरी जगहें छूटी हुई हैं जिसमें से एक सामान्य इंसान निकल सके! अब यह मेरी जुपिटर सर्कस में सीसी गई कलाबाजी पर निर्भर करता है कि मैं अपने अंगों को लेसर बीम के स्पर्श से बचा पाऊंगा या नहीं!



लेकिन यह खतरा तो मुझे मोल लेना ही है! क्योंकि अगर 'फोटॉन मैज' को सिर्फ मुझे रोकने के लिए भेजा गया है, तो यह मेरे पीछे-पीछे 'लेसर वेब' के अंदर जरूर आएगा!

ताकि यह मुझको इस 'जाल' में फंसाकर मार सके! मेरा सोचना शुरू होगा! आज मेरी सही निकलना! यह मेरे पीछे-पीछे कलाबाजी की कला की लेसर वेब में घुस आया है! अग्नि-परीक्षा है!



ध्रुव आखिर क्या करना चाहता है? ऐसे तो उसको जल मरने में एक सेकंड भी नहीं लगेगा!

मिदटा  
चकित था-

ध्रुव को तो लेसर बीम के जाल से बचबचकर कुदना पड़ रहा है! लेकिन फोटॉन मैज के लिए तो लेसर बीम का कुछ महत्व ही नहीं है! ये बीम भला उसका क्या बिगाड़ पाएगी? पर... पर नहीं! कुछ हो रहा है!





‘फोटॉन मैन’ का शरीर ज्यादा तेजी से चमक रहा है! और इसका शरीर टूटना भी शुरू हो गया है! पर कैसे?



आइए! चमक बढ़ती जा रही है!  
अब तो इसकी तरफ देखना भी मुश्किल लग रहा है!

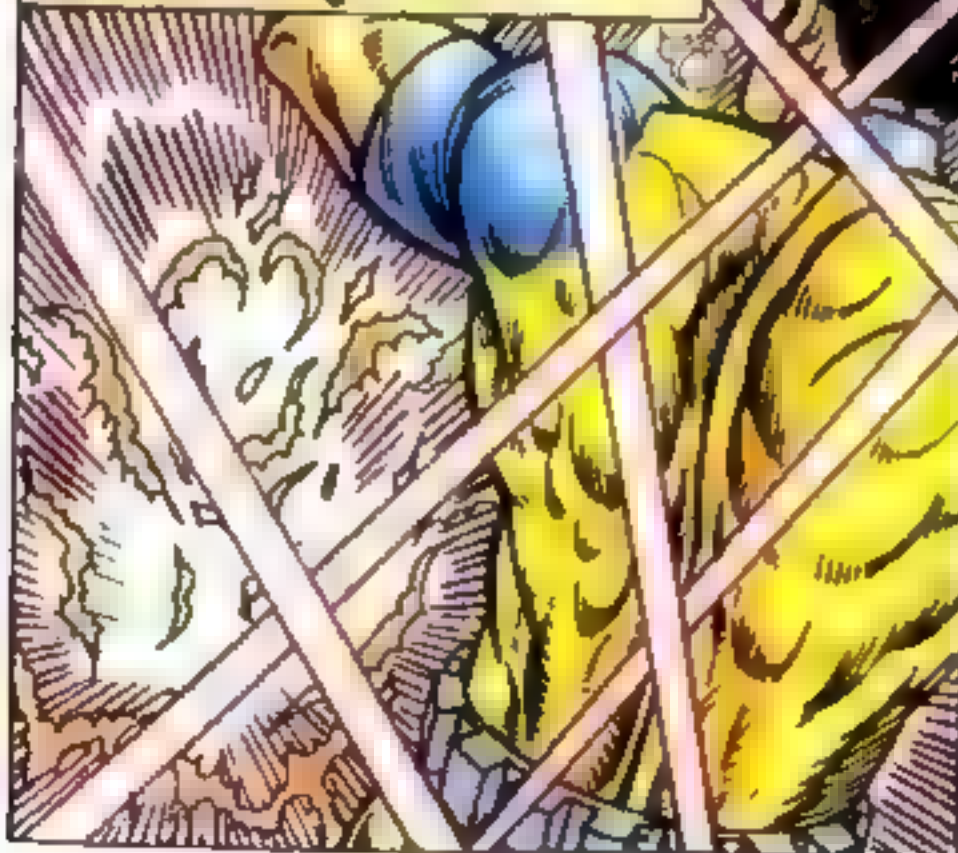
मिट्टी के देखते-देखते-

एक बेआवाज धमाके के साथ फोटॉन मैन के शरीर के टुकड़े-टुकड़े होकर हवा में घुल गए-

लेकिन इस धमाके का असर दूर तक हुआ-

आइए!

फोटॉन मैन खत्म हो गया। मैं ही यहां से उसको प्रक्षेपित कर रहा था! और उससे जुड़ा हुआ होने के कारण उसके खत्म होने का ‘बैक ड्रॉक’ यहां तक आ पहुंचा है! पर... फोटॉन मैन खत्म हुआ कैसे?





मिट्टा भी इसी  
कमाल का जवाब  
दाहता था -

कमाल कर दिया  
तुमने, ध्रुव, लेकिन  
ये कमाल तुमने  
किया कैसे ?

इसका मरना ज्यादा  
कमाल की बात नहीं थी। कमाल तो  
मुझे नेसर वेब से बचने में दिखना था

इसको काटने का  
तरीका तो आसान था।  
तुम तो जानते ही होगे कि  
अगर विद्युत प्रवाह को  
तारों में एक सीमा से अधिक  
बढ़ा दिया जाय तो शॉर्ट  
सर्किट हो जाता है।

विद्युत प्रवाह और कुछ नहीं, सिर्फ  
धातु की तारों में इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह  
होता है। जब तारों में इलेक्ट्रॉनों की  
संख्या एक सीमित मात्रा से बढ़ जाती  
है तो धमाका हो जाता है।

इसी ध्योरी को मैंने फोटॉन मैन पर  
आजमाया था, वह प्रकाश का फोटॉन का  
बना आदमी था। मैंने उसको नेसर वेब में  
सींच लिया क्योंकि नेसर भी प्रकाश का ही  
एक सघन रूप है। नेसर किरणों ने फोटॉन  
मैन के शरीर में फोटॉन कणों की संख्या  
को बढ़ाना शुरू कर दिया।

वाकई ध्रुव ! मैं तुम्हारे बारे  
में जितना जानता जा रहा हूँ  
उतना ही चकित होना जा रहा  
हूँ। अब चलो, हमको क्रिस्टल  
चोरी वाले घटनास्थल की  
खानगीन करनी है। मैं  
कोड़ भरना हूँ।

उसकी ज़रूरत अब नहीं है मिट्टा।  
फोटॉन मैन ने मुझको उस चोर  
का पता बना दिया है।

और  
फोटॉन मैन  
मर गया।

क्योंकि उनके शरीर  
में इनले फोटॉन कणों को  
संभाल सकने की क्षमता  
नहीं थी।

सच में ? कौन...  
कौन हैं वह  
आदमी ?

जहां मैं बताता हूँ वहां  
पर मुझको ले चलो।

छोड़ी देर बाद  
तुम खुद ही उस  
आदमी के सामने  
होगे।

कमाल है!

मुझे तो यकीन ही  
नहीं हो रहा है कि कैसे  
सुलझ गया है।



घोर का पता, अपराध जगत के  
परतानों को भी चले गया था-

हमको पता चल गया  
कि क्रिस्टल का घोर कहाँ  
पर है?

ये तुम इनके  
बिहवास के साथ  
कैसे कह सकते  
हो?

हम तो ये मानकर चल  
रहे हैं कि क्रिस्टल के घोर ने  
ही फोटॉन मैज को धुव को रोकने  
के लिए भेजा था!

जब धुव ने फोटॉन मैज को मल्टी किया तो उससे  
पैदा हुए 'बेक शॉक' को हमने रिकॉर्ड कर लि  
था : वह बेक शॉक उस इमरान से होता हुआ  
वहाँ से कई किमीटर दूर स्थित इस स्थान  
पर आकर खत्म हुआ! मेरे खयाल से यहाँ  
वही इंसान मौजूद है जिसने फोटॉन मैज से  
संपर्क बनाया हुआ था, और इस वकन  
जिसके पास क्रिस्टल मौजूद होना चाहिए

क्रिस्टल  
तक पहले पहुंचने की होद लगी थी-

और इस होद में मिट्ट और  
धुव बाजी मार ले गए थे-

इतनी तकलीफ  
खुद क्यों करने  
हो?

इस हेल्मेट को उतारकर अपनी  
झाकल देखने का मौका हमको  
दे दो.

क...  
कौन हो तुम  
लोग?

क्या चाहते  
हो मुझसे?

ओह! तो तुम  
इस लड़के को नहीं  
जानते! मेरा नाम मुपर  
कमंडो धुव है!

और ये इंसपेक्टर  
मिट्टा हैं! तुमको क्रि  
की चोरी के इन्जाम  
गिरफ्तार करने आए  
हैं!





पर... पर तुम  
यहां पर  
पहुंचे कैसे?

फोटॉन मैल की प्रोजेक्शन किरणों का  
पीछा करते हुए। हमारे संवेदनशील  
यंत्रों ने उन किरणों के निकलने के स्थान  
को ट्रैक कर लिया था और वे किरणें इस  
स्थान से आ रही थीं। तुमने हमारी  
जांच को रोकने के लिए फोटॉन मैल को  
भेजा था। इससे जाहिर होता है कि  
तुम सिलिकॉन क्रिस्टल का पता  
जानते हो, अब मुझको बताओ  
कि तुम कौन हो?

ये तुम्हारे पुराने  
परिचित हैं डॉक्टर  
मिट्टा...

तुम यह भूल रहे हो मिट्टा कि  
वह सिक्योरिटी सिस्टम मेरा ही  
डिजाइन किया हुआ था। अपने ही  
सिक्योरिटी सिस्टम को भ्रंसा देना  
मेरे लिए बड़ा हाथ का काम था।

और रहा क्रिस्टल को चुराने का  
कारण तो मुझको पता नहीं था कि इसमें  
इतनी लबाही फैल जा रही। मुझे उम्मीद  
थी कि जल्दी ही धुव अपनी हार मान  
लेगा और कोई ज्यादा नुकसान होने  
से पहले क्रिस्टल का वण्ड उभर  
स्थान पर पहुंचा होगा।

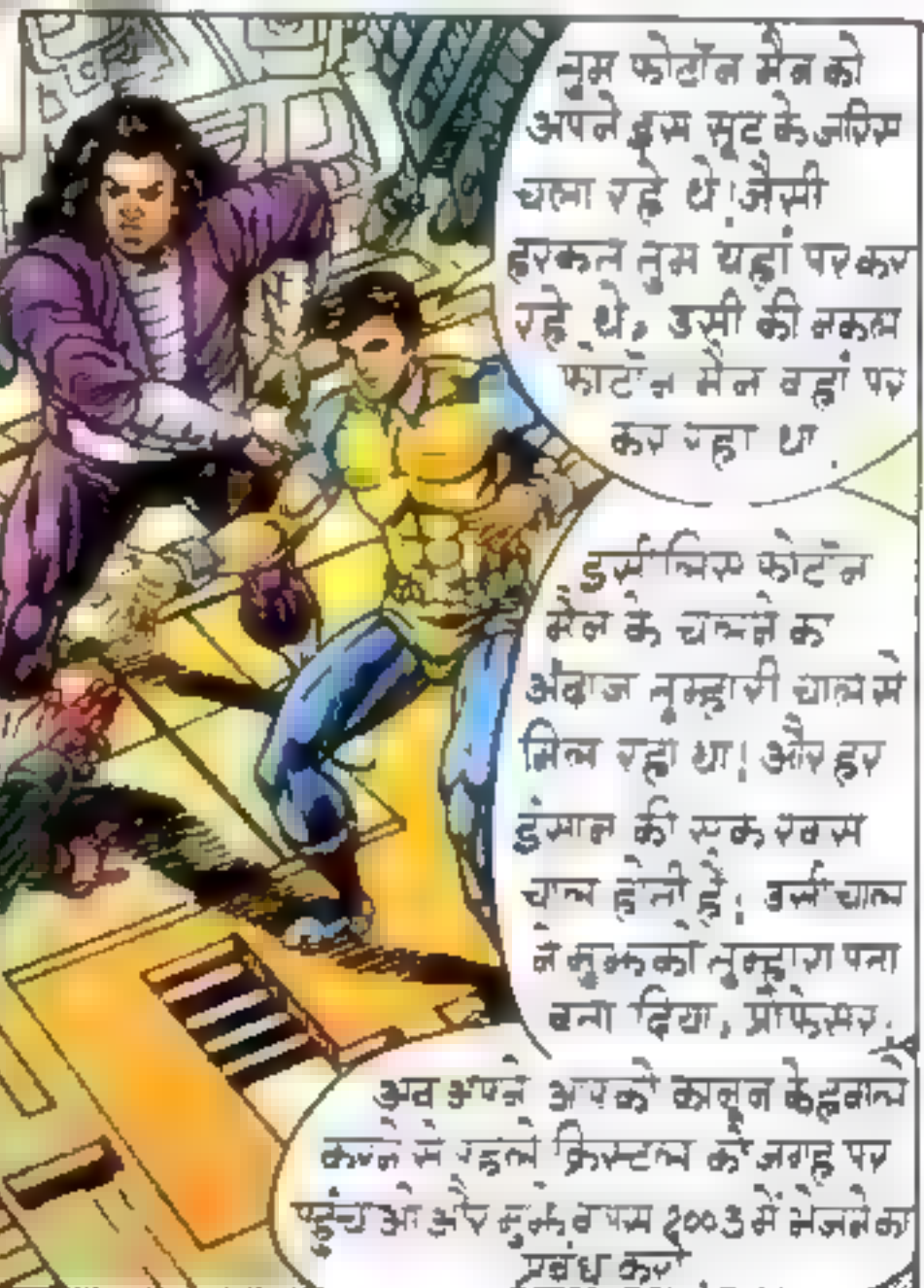
पर ऐसा हुआ नहीं।  
धुव मेरे द्वारा भेजी गई छद्म फोटॉन  
मैल से बच गया, पर तुमने यह कैसे  
जाना कि फोटॉन मैल को भेजने वाला  
मैं ही था।



... तुम्हारे परम मित्र  
प्रोफेसर डुंठान प्रसा

प्रोफेसर! ये हरकत  
तुमने क्यों की? मुझको  
अपनी आंखों पर विश्वास  
ही नहीं हो रहा है।

और... और  
इतनी कड़ी सिक्योरिटी  
के बीच में तुम क्रिस्टल की  
चोरी कर कैसे पाए?



तुम फोटॉन मैल को  
अपने इस सूट के जरिए  
चला रहे थे। जैसी  
हरकत तुम यहां पर कर  
रहे थे, उसी की नकल  
फोटॉन मैल वहां पर  
कर रहा था।

दुर्भाग्यवश फोटॉन  
मैल के चालने का  
आवाज तुम्हारी छात में  
सिख रहा था। और हर  
दुश्मान की सूकर वस  
चात होती है। उर्ल चात  
ने मुझको तुम्हारा पता  
बना दिया, प्रोफेसर।

अब अपने आपको कालून के हवाले  
करने से पहले क्रिस्टल को जगह पर  
पहुंचाओ और मुझे वषस २००३ में भेजने का  
प्रबंध करो।



मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं तुमको मिलिकॉन क्रिस्टल की चोरी और पूरी पृथ्वी पर अराजकता फैलाने के आरोप में गिरफ्तार करता हूँ!

मैं मानता हूँ, मिट्टा कि मैंने जो कुछ भी किया गलत किया! मुझ पर भ्रुव को नीचा दिखाने का जुनून भरा हो गया था! लेकिन मैं कानून की गिरफ्तारी में आकर अपनी जिन्दगी को बर्बाद करना नहीं चाहता।

मैं मानता हूँ कि भ्रुव के विमान ने मुझे मान दे दी है! लेकिन इस स्थिति में कानून को मान देने वाला राजता मैंने पहले ही तलाश कर रखा है!

कानून के रखवाले मिट्टा से तुम इस दुनिया के किसी भी कोने में छुप नहीं सकने! बचने का कोई रास्ता नहीं है!

मुझ तक पहुँचने की कोशिश मत करो, वरना मेरे साथ तुम भी इस दुनिया में खिंच आओगे!

और हाँ, मिलिकॉन क्रिस्टल इसी तैब में रख रखा है! तुम रुकना पर धुन देना! दूँद सको नो दूँद लेना!

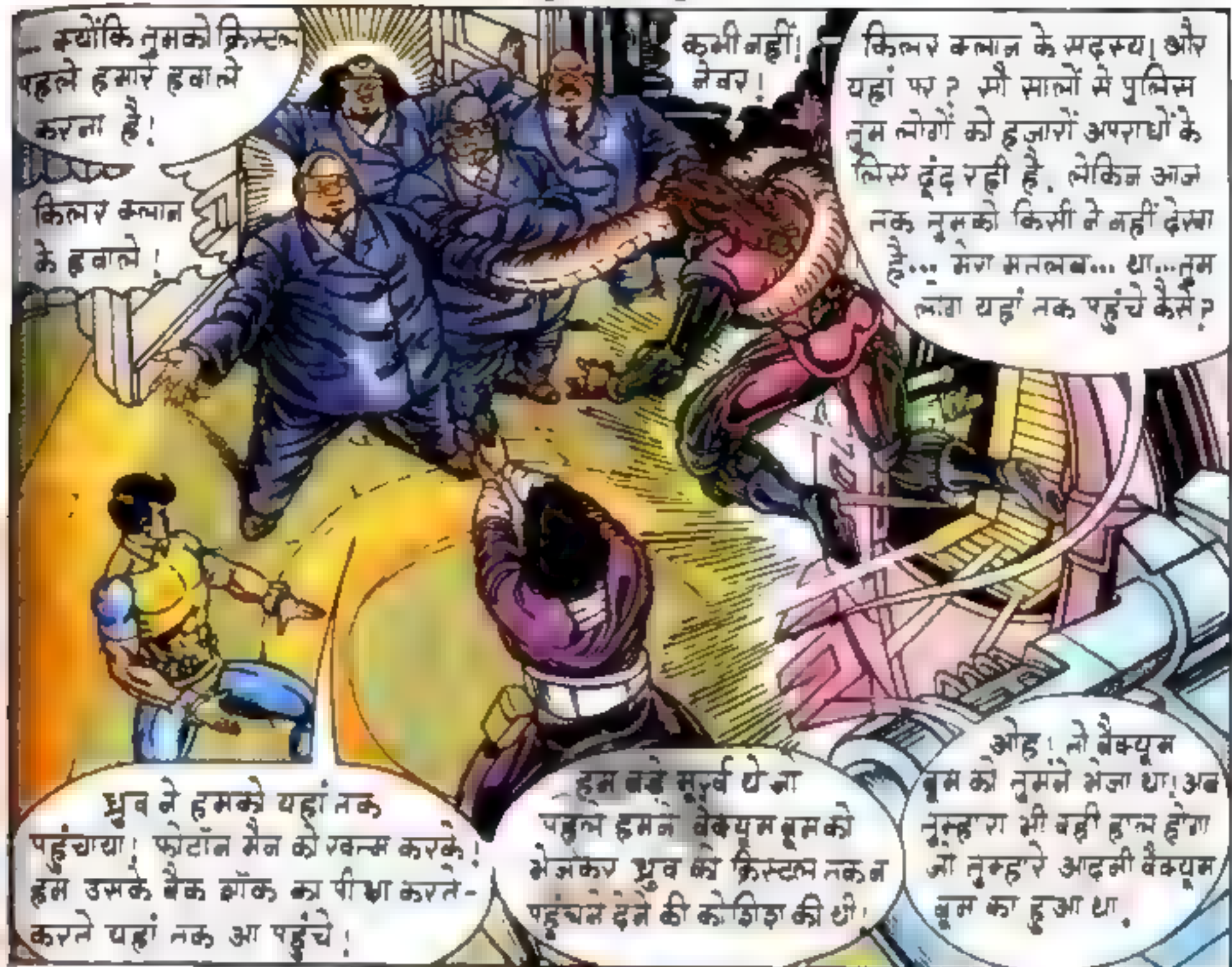
मैं इस दुनिया की बात कर ही नहीं रहा हूँ मिट्टा!

मैंने अपनी टाइट मशीन में भविष्य की एक दुनिया का द्वार खोल रखा है!

ये उस बकल की दुनिया है जब मानवों ने युद्ध भड़काकर अपने अस्तित्व को ही खत्म कर दिया है! मैं उस समय की दुनिया में जाकर मानवों की एक नई प्रजाति रचूँगा! और विज्ञान को एक नई दिशा दूँगा!

तु यहाँ से कहीं नहीं जासगा, प्रसा!







मेरा हथियार  
फट रहा है!  
आ sss ह!

तू तो हमारे लिए एक बच्चा है इंसपेक्टर, सिर्फ  
एक बच्चा! स्वतंत्र तो हमको ध्रुव से है! ये यहां  
पर कैसे आया यह हम नहीं जानते! पहले हमने  
इसको बकली समझा था! पर 'वैक्यूम बूम' और  
'फोटोन मैन' को खत्म करके इसने हमारा काम  
मोड़ दिया! हमारे हजारों साल पुराने इतिहास  
में हमारा साम्राज्य सिर्फ एक बार तबाह  
हुआ है!



आज से लगभग दो सौ साल पहले...  
सुपर कमांडो ध्रुव के हाथों, लेकिन हम  
इतिहास को दोहराने नहीं देंगे, इसको  
इसी युग में यहीं पर मार-मारकर खत्म  
कर देंगे! लेकिन यह काम हम  
क्रिस्टल मिशन के बाद करेंगे!

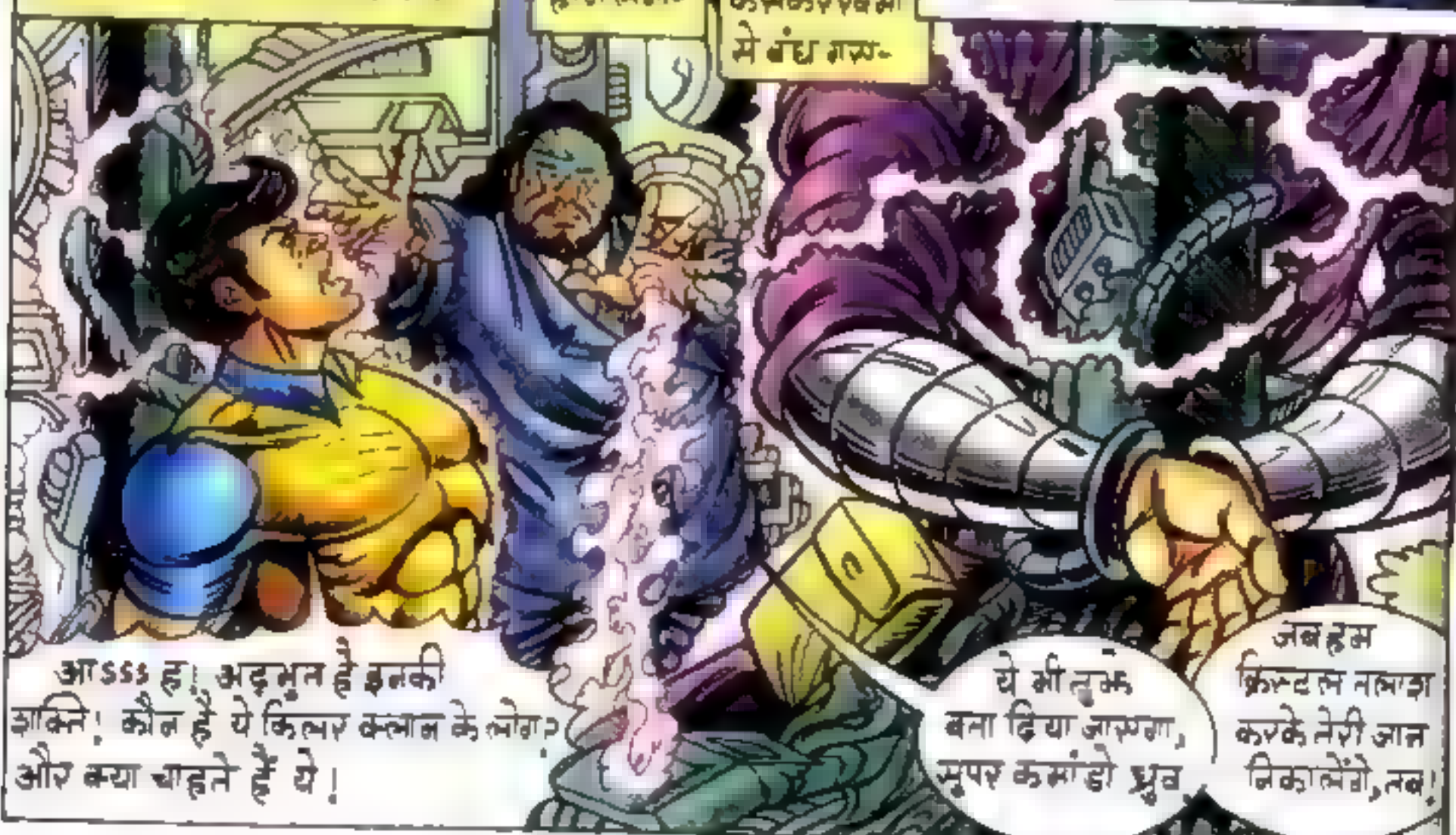


बांध दो इन तीनों  
को, और पूरी लैंड में फैलकर  
क्रिस्टल की तलाश करो!

किलर क्लोन के सदस्य के एक ही  
इकारे पर लैंड में फैली धातु रूप  
बदलकर खंभों का रूप लेने लगी-

उसमें ऊर्जा  
का प्रवाह  
होने लगा-

और तीनों के  
हाथ, बंधनों में  
कसकर खंभों  
में बांध गए-



आ sss ह! अद्भुत है इनकी  
शक्ति! कौन है ये किलर क्लोन के लोग?  
और क्या चाहते हैं ये!

ये भी तुम्हें  
बना दिया जाएगा,  
सुपर कमांडो ध्रुव!

जब हम  
क्रिस्टल तलाश  
करके तेरी जान  
निकालेंगे, तब!

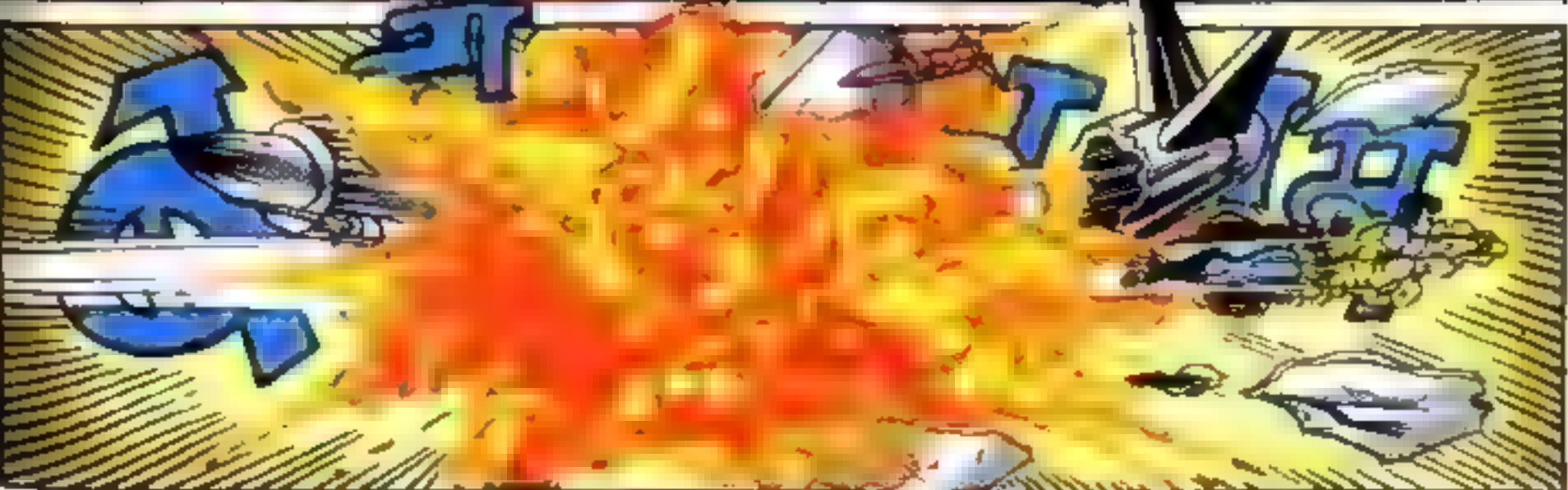


सन् 2003 में रोबोट ध्रुव का बिल्लाजारी था। लेकिन उसको रोकने के प्रयास भी तेज कर दिए गए थे-

रुक जाओ, सुपर कप्तानो ध्रुव! वरना हमको मजबूर होकर तुम पर वर करना पड़ेगा!



ये रुक नहीं रहा है, पार्टनर! ये... ये तो सीधा हमारी तरफ आ रहा है!





और कुछ ही देर में- रोबोट ध्रुव को  
शिकने की शक्ति और कोई नुकसान  
हो गई थी-

और उसको रोक सकने के तरीके भी  
तेजी से खत्म होने जा रहे थे-

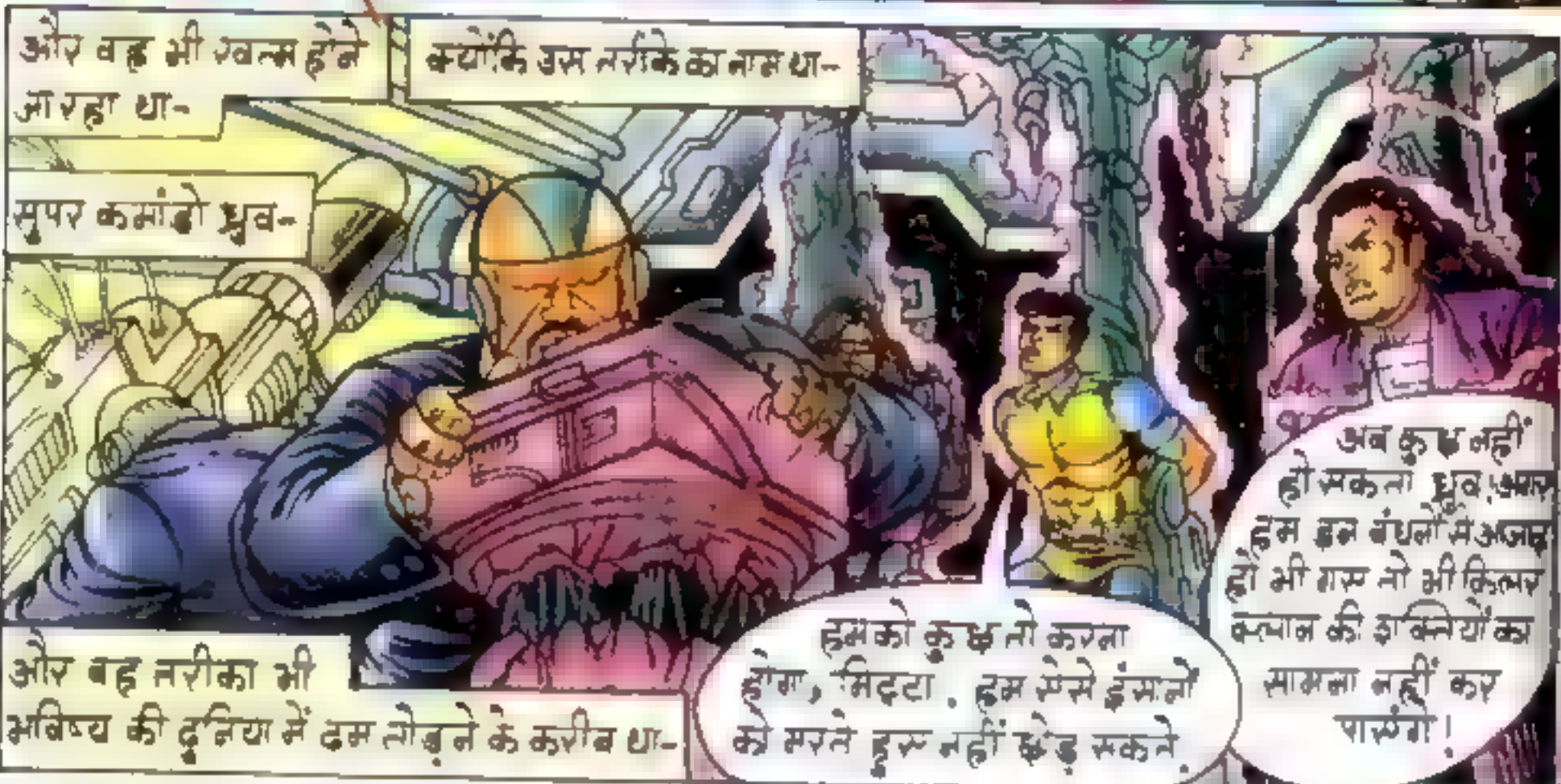
अब इण्डिया सिर्फ एक आखिरी  
तरीका बचा था-



और वह भी खत्म होने  
जा रहा था-

क्योंकि उस तरीके का नाम था-

सुपर कमांडो ध्रुव-



और वह तरीका भी  
भविष्य की दुनिया में हम लोड़ने के करीब था-

हमको कुछ तो करना  
होगा, मिट्टा. हम ऐसे इंसानों  
को मरते हुए नहीं छोड़ सकते.

अब कुछ नहीं  
हो सकता ध्रुव! अगर  
हम इन बंधनों में अजब  
हो भी गए तो भी कितना  
कलान की इच्छियों का  
सामना नहीं कर  
पाएंगे!

लेकिन अगर क्रिस्टल इनके हाथ  
लग गया तो कोई भी नहीं बचेगा!  
अपनी गलती पर पश्चात्ताप करने का  
यही वक़्त है प्रोफेसर प्रसा! बताओ  
कि तुमने क्रिस्टल कहाँ पर छुपाया  
है! इण्डिया में अभी भी उसको  
तुम्हारे लिए बचा सकूँ!



क्रिस्टल उसी टाइम  
मशीन के नीचे छुपा है जिसने  
में भविष्य में भाग रहा  
था.



लेकिन अगर तुम  
क्रिस्टल तक किसी तरह पहुँच  
की गए तो भी कितना कलान की  
इच्छियों से बचकर उसको  
लेकर भाग नहीं सकते!



फिर तो काम बन गया! अरे सुनो! कित्तर क्लान वाले भाइयों! आऽऽह, हमको छोड़ दो तो मैं तुमको क्रिस्टल का पना बना सकता हूँ! मैं भविष्य की दुनिया में मरना नहीं चाहता!

हमारे सामने बड़े-बड़े डोर तक गिड़गिड़ाने लगते हैं! और आज तुने भी यही किया है, ध्रुव! ऊर्जा के इन सानूरी भूटकों से ही डर गया! स्विच बना! कहां है क्रिस्टल?

इस भविष्य की दुनिया की मैं भला क्यों परवाह करूंगा? क्रिस्टल, टाइम मशीन के नीचे छिप है!

आहाऽऽह मैं समझ गया मेरी चाल! मैंने प्रोफेसर की वह बात सुन ली थी कि ये मशीन पास जाने वाली हर चीज को रबीच लेती है! तू यही चाहता है न कि ये मशीन हमको स्वीचकर भविष्य की उजाड़ पृथ्वी पर पहुंचा दे!

ये... ये क्या कह रहे हो ध्रुव? आऽऽह! क्या तुमको इस दुनिया की जरा भी परवाह नहीं है, आऽऽह!

यही बात है न? पर मैं मशीन के नीचे चेक कर रहा हूँ! पर पहले मशीन की पावर बंद करूंगा!

ये बहुत चालाक है ध्रुव! तुम्हारी चाल पहले ही समझ गया! और अब क्रिस्टल इसके हाथ लगकर ही रहेगा!

दुनिया तबाह होकर ही रहेगी!

हा हा हा! अओ दोस्तो! देरवा, आस्विरकर सफलता मेरे हाथ लग ही गई! अब मानव तबाह होकर ही रहेंगे!

ओ भगवान! ये मैंने क्या कर दिया?



कमान हो गया। अब मानवों की  
किसमत का फैसला हमारे हाथों  
में है।

एक मिनट! क्रिस्टल हमारे पास  
है। इस बात को सिर्फ ये तीन ही  
जानते हैं। मेरे सहायक से तो  
इसको विस्फोटित करके अणुओं में  
बांट देना चाहिए ताकि इसका  
कोई नैतिकोपयोग ही न बचे।

और, कडा टाइम मशीन में  
'पॉवर' होती तो वह इन चीजों को  
सींचकर दूसरी ही दुनिया में भेज  
देती, लेकिन अब तो हम खुद ही  
दूसरी दुनिया में जा रहे हैं!

एकसे बेंट आइडिया।  
मानवों के बिना के अभियान  
की शुरुआत इन तीनों से  
ही करने है।

पॉवर। टाइम मशीन  
को ऊर्जा चाहिए न, उसके ऊर्जा  
अभी भी मिल सकती है!...

... हमारे करीबों को जो ऊर्जा  
अटकके दे रही है वह भी  
कितर क्लान की इक्विटी  
द्वारा ही पैदा की गई है। वे  
इसको रोक नहीं पाएंगे।

और ये ऊर्जा टाइम मशीन  
तक पहुँचोगी मेरी स्टार  
लाइन के जरिए।

धुब का कुशल कल बाज करीर मुझ।

और स्टार लाइन का दूसरा सिरा टाइम मशीन में जा धंसा-

मशीन चालू हो गई है धुब, और  
और कितर क्लान के सदस्य  
उसके अंदर खिंच रहे हैं। लेकिन  
मशीन अभी पूरी तरह से काम नहीं  
कर पा रही है, उसको और पावर  
चाहिए। लेकिन उसको और पॉवर  
अब कहां से मिल सकती  
है!

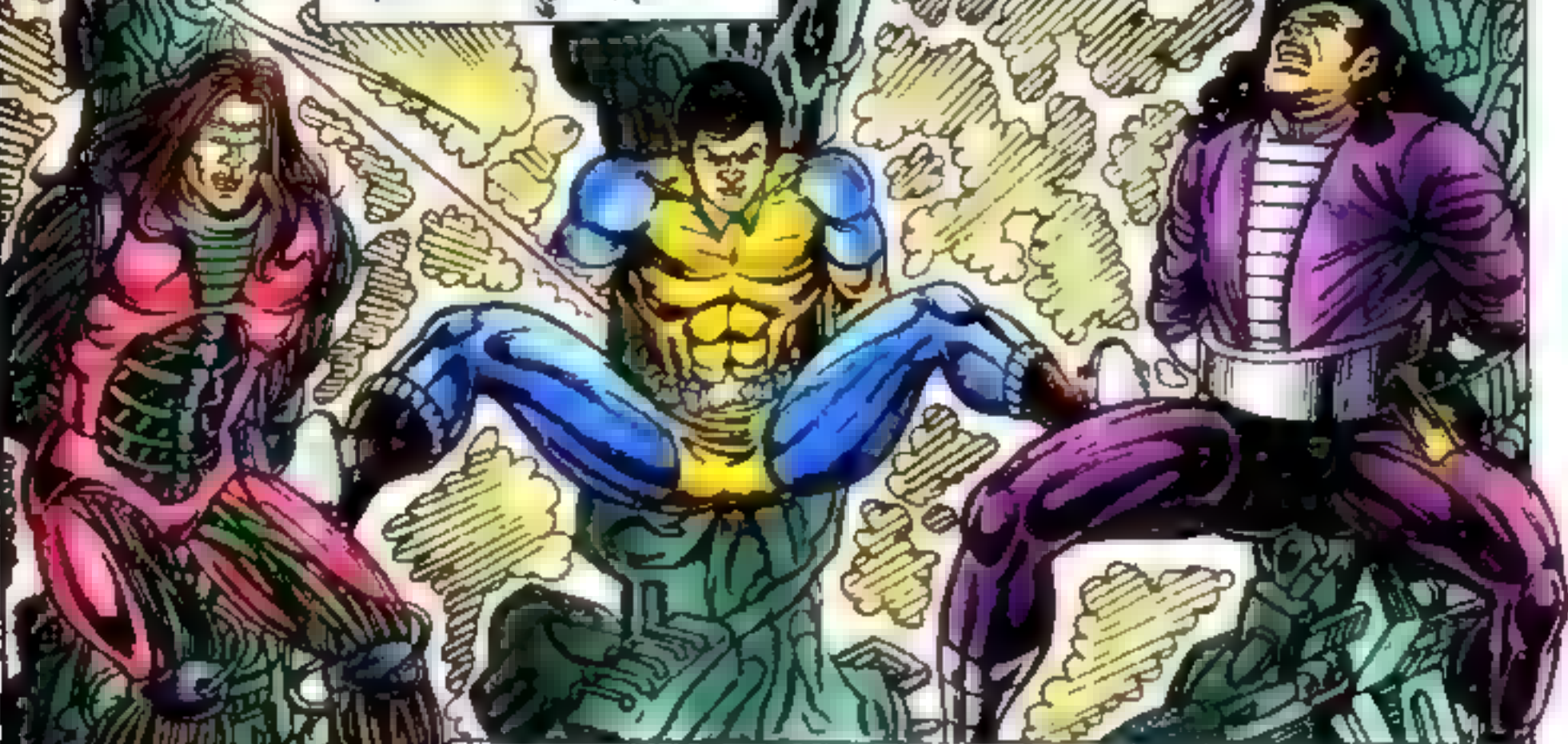
मिल सकती है प्रोफेसर,  
मिल सकती है!

वह पॉवर मशीन  
को आप और इंस्पेक्टर  
मिट्टा देंगे...



... मेरे इरीर  
के जरिए।

ध्रुव ने खतरनाक कदम उठाया था। अब तीनों के इरीरों में  
बहती ऊर्जा का बहाव ध्रुव के इरीर में होता हुआ टाइम  
मशीन तक पहुँच रहा था-



अब देखना यह था कि पहले ऊर्जा ध्रुव के इरीर को रोक में बदलेगी या फिर  
टाइम मशीन का खिंचाव कितने कत्तान को निगल डालेगा-

और इस रस्साकशी में जीत  
आखिरकार टाइम मशीन की ही हुई-

ओ माई गॉड, कितने कत्तान  
के साथ-साथ क्रिस्टल भी  
मशीन में खिंचा जा रहा  
है।



ऐसा नहीं हो सकना!  
नहीं हो सकना!

कितने कत्तान की इच्छियों के  
साथ-साथ उनके द्वारा बनाए गए  
ये बंधन भी कमजोर हो रहे हैं!  
मैं इनको तोड़ सकूँ।  
आ SSS हूँ।



बंधन टूटे-

और ध्रुव के इरीर ने लपककर क्रिस्टल को हवा में  
ही धास लिया-



आऊँ, अब  
ध्रुव भी अंदर खिंच  
जाएगा।



पर ऐसा हुआ नहीं! ध्रुव के पैरों ने स्टार लाइन का संपर्क मशीन से तोड़ दिया-



और ऊर्जा मिलनी बंद होने ही टाइम मशीन भी खामोश हो गई-

हमारे ऊर्जाओं में बढ़ने वाली ऊर्जा भी खत्म हो गई है!

ओफ! अब क्रिस्टल भी सुरक्षित है और हम भी। मैं अपने किरण पर बेहद डार्मिन्दा हूँ ध्रुव! मैं स्वीकार करता हूँ कि तुमने मुझे हर तरह से सात दे दी है!

अब मैं कानून से सजा पाकर अपनी गलतियों का पड़ोसाप करूँगा!

वह सब बात में करन प्रोफेसर पहले इस क्रिस्टल को इसकी सही जगह पर पहुँचाओ!

जल्दी ही- अब क्रिस्टल सही जगह पर है! और यह तुम्हारी बजह से ही संभव हो पाया है ध्रुव!



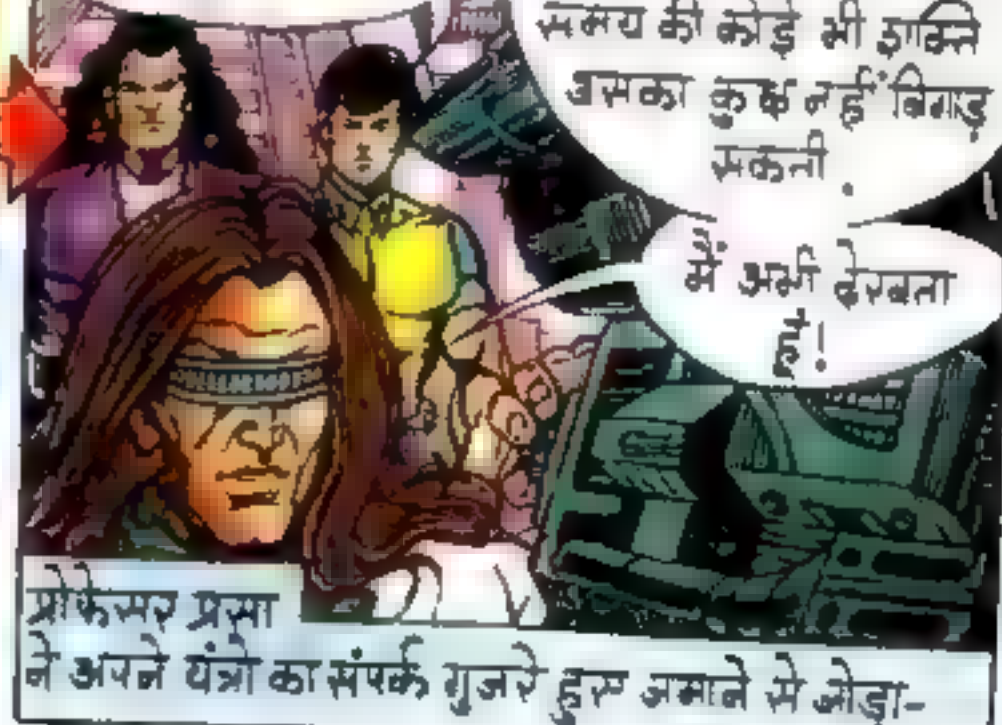
इन्होंने जिक्र किया था कि एक बार दो सौ साल पहले भी मैं इनका बिलड़ा कर चुका हूँ! पर मुझको तो याद नहीं पड़ता कि मैंने पहले कभी ऐसा किया है!

वह तुम अपनी आगे की जिनगी में करोगे; यकीन इस वक़्त वह काम तुम्हारा प्रतिरूप रोबोट कर रहा होगा, आखिरकार वह भविष्य का उत्पाद है। तुम्हारे समय की कोई भी शक्ति उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

मैं अभी देरबता हूँ!



अब सब कुछ सामान्य है ध्रुव! बस, हमको यह पता नहीं चल सका कि कितना क्लान वाले ऐसा क्यों कर रहे थे?



प्रोफेसर प्रसा ने अपने यंत्रों का संपर्क गुजरे हुए जमाने से जोड़ा-



और सभी चौंक उठे-

ओ गॉड! ये... ये तो 2003  
के युग को तबाह कर रहा है!  
पर क्यों? मैंने इसके अंदर  
ऐसा कमांड तो भरा ही नहीं  
था।

ये काम किसी  
और ने किया है!  
पर कैसे?

यही मशीन की सबसे  
बड़ी खराबी है प्रोफेसर। वह आदमी  
के इशारे पर काम करती है। अच्छा आदमी  
उससे अच्छा काम करवाएगा तो बुरा  
आदमी, बुरा काम, जल्द किसी ने इसके  
सर्किटों को ढेड़कर इसको अपना  
गुलाम बना लिया है!

और मेरा  
दिल कह रहा है कि यह काम  
कितना कत्तल के पूर्वजों का ही है!  
मुझे इसको रोकने का तरीका बताइए,  
ताकि मैं अपने समय में वापस जाकर  
इस रोबोट को नष्ट कर सकूँ!

न तो इस  
रोबोट को मारने का कोई तरीका  
है और नहीं इसके सर्किटों से  
छड़-छड़ कर सकने का  
कोई रास्ता।

क्या इसको इस  
युग में वापस नहीं  
बुलाया जा  
सकता!

यह हो सकता तो  
यह काम तुरंत  
कर देता। सर्किटों में  
बदलाव होने से  
इससे हमारा संपर्क  
टूट गया है। मैं  
इसको वापस  
नहीं बुला पा  
रहा हूँ!

हां, अगर तुम किसी तरह से  
इसके 'ब्रेन सर्किटों' तक पहुंच  
सको तो 'XZXP0' का कमांड देते  
ही इसका 'इलेक्ट्रॉनिक ब्रेन'  
काम करना बंद कर देगा।

लेकिन इसके 'ब्रेन' तक तुम कैसे  
पहुंचोगे ये सोचना तुम्हारा काम है।

तो फिर इसे  
रोकने का काम मुझे  
ही करना होगा।

आप  
मुझे 2003  
में भेजने का  
इंतजाम करें!



अब मुकाबला विनाशकारी तकनीक और दिमाग की शक्त के बीच में था-



और मानसिक शक्ति वाले अस्सी ध्रुव को  
सबक की नक़रत थी-

हमको यहां से निकलना  
होगा, ननाशा! वरना यह  
राम्मी और ओकसीजन  
की कमी जल्दी ही हमारी  
आंखों में होगी।

जानती हूँ! पर  
हम भावों के बीचोंबीच  
में खड़े हैं! यहां से  
किंगकांग पहुंचने भी तो  
कैसे? पता नहीं ये  
किंगकांग जबलामुखी के  
पास क्यों रहता है!

आप कुछ बोलने  
क्यों नहीं, पापा?

किंगकांग ने मेरी  
ब्रेसर आई का कनेक्शन  
तोड़कर मुझे असहाय  
कर दिया है।

अब मैं कुछ कर  
ही नहीं सकता तो  
बोलकर क्या  
करूंगा?

एक मिनट रोना।  
अपनी ब्रेसर आई को  
मुझे चेक करने दो!

ओऽऽऽ इसके तार टूट  
रहे हैं! अगर इन तारों को  
किसी तरह से जोड़ा जा सके  
तो तुम्हारी 'ब्रेसर आई'  
फिर से काम करने  
लागेगी!

इसके बिस इस इन  
तारों की 'सोल्डरिंग'  
करनी होगी! और हमारे  
पास सोल्डरिंग गैड नहीं है!

सोल्डरिंग गैड! वही जो  
राम्मी से तारों को पिघला-  
कर आपस में जोड़  
देती है।  
वो मारा! ये काम  
नहीं हो सकता है!

कैसे,  
चंडिका?

मेरी बेल्ट में एक लंबा  
तार छिपा है! उसकी  
मैं इस भाव में  
लटका दूंगी!

लावा तार को  
पिघलाएगा...



कुछ ही पलों बाद तार का  
घिसा हुआ सिरा चंडिका  
के हाथ में था-



और उससे चंडिका रोबो की 'लेसर आई'  
के दूटे तारों की 'मोल्डरिंग' कर रही थी-



बाहू अब मेरी 'लेसर आई'  
फिर से काम कर रही है, पर  
इससे काम लूं भी तो क्या  
लू?



लेसर आई से  
इस चट्टानी खंभे को पहले  
ऊपर से काट दो, रोबो...

...और फिर इसकी  
जड़ को पेड़ के तने की  
तरह इस तरह से काटो  
कि ये गिरकर किलारे  
से कट जाए-

गुप्त  
आइडिया  
चंडिका!



रोबो की 'लेसर आई' ने चट्टान को काटकर उसको किलारे से  
टिका दिया-



ओsss चंस, ऐक  
गोड! मुझे लग रहा था कि गिरने से  
ये चट्टान कहीं टूट न जाए-

पर ऐसा  
हुआ नहीं!

अब हम इस चट्टान के रखने  
बावें के दरिया को पार कर  
सकने हैं-



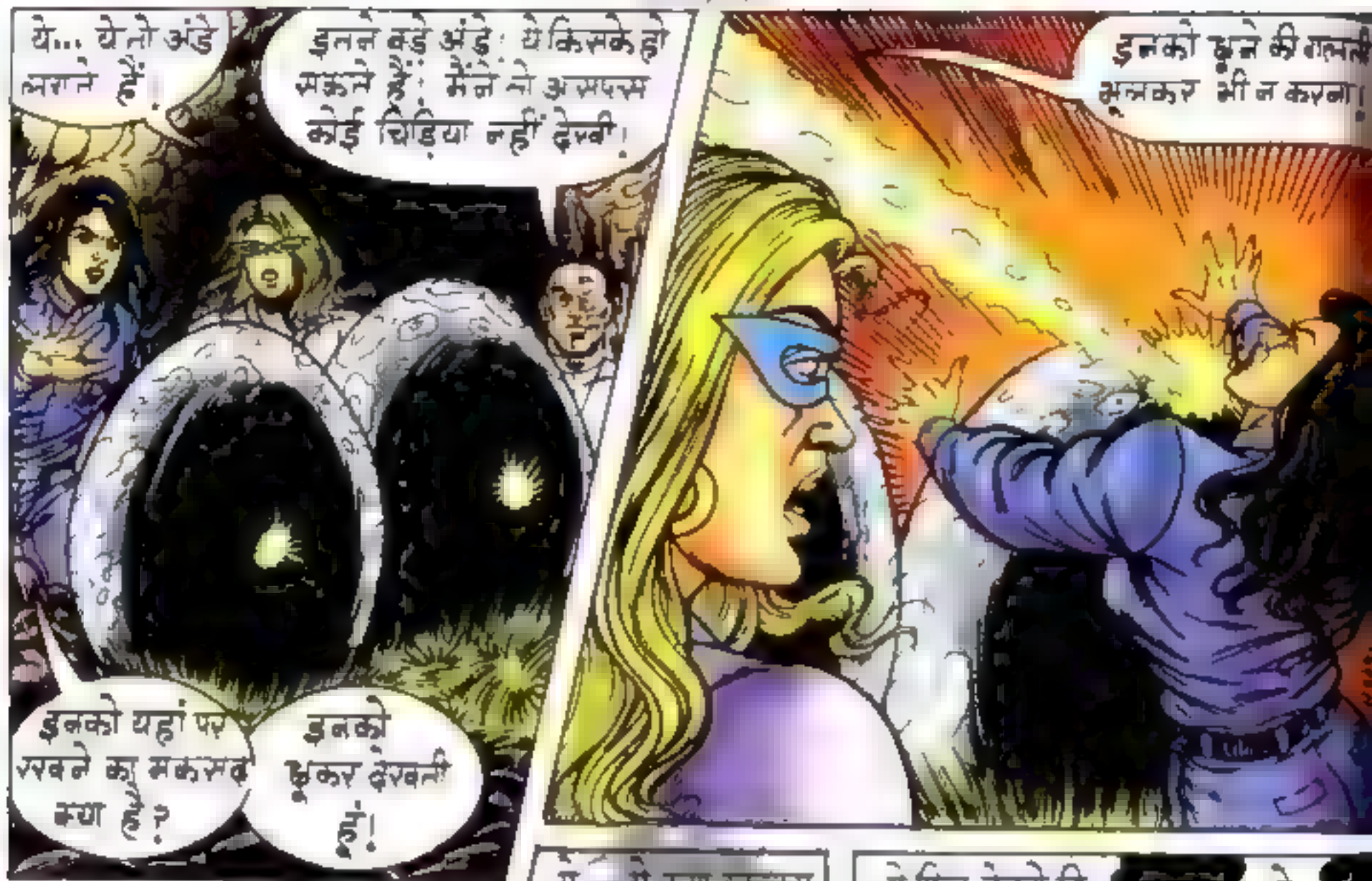
सत्यतः मैं नहीं जान कि  
किंतकत और उसके दरिद्रों  
जबकि सुखी के गम क्यों रहने हैं-

इसका पता भी  
लगाना होगा  
बताइए!



ओ जड़ ये... ये  
गोड, क्या है?





क्योंकि ये अंडे मेरे हैं! और जब्तामुरी की गर्मी इनको (मे) रही है! इनको गर्मी पहुंचाकर इनमें जीवन का निर्माण कर रही है! और हमारे एक अंडे को जेल में ये जब्तामुरी की गर्मी भी पूरे पचास साल लेती है!

ये... ये क्या बकवास कर रहे हो किंगडोर! पालतू हो गए हो क्या? इन अंडे नहीं देंगे और पुरुष तो कतई नहीं देंगे, य... या आखिर तुम इंसान हो ही नहीं! कौन हो तुम?

तो फिर देखो कि कौन हूं मैं?

हे भगवान!





वहाँ से दूर-राजनगर में  
गेबॉट ध्रुव का बिनाडा  
भोकेटोक जारी था-

और अब मौसम ने भी उसका साथ देना शुरू कर दिया था-

हा हा हा ! ये मौसम  
मुझको सूट कर रहा  
है ! मेरे मूड को अच्छा  
कर रहा है ! मेरे शरीर  
को ठंडा कर रही ये पानी  
की बूंदें और मेरे दिमाग  
को गर्म करती हुई ये  
कड़कड़ानी बिजलियाँ

तबही फैलावने  
में मजा आ जाएगा !

लेकिन मुझे बिल्कुल  
भी मजा नहीं आ रहा  
है !

और मेरा मूड भी  
बहुत खराब हो रहा  
है !

कौन... कौन है तू ? मेरे  
जैसे कपड़े क्यों पहन रहे हैं !  
और मेरे जैसी शक्त क्यों  
बना रखी है !

मेरी शक्त तो जन्म  
से ही ऐसी है ! शक्ति तो  
तुझे मेरे जैसी बना रखी है !  
मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूँ !

सुपर कमांडो ध्रुव तो  
मैं हूँ ! और इस दुनिया में  
ही सुपर कमांडो ध्रुव रह सकता है !

इसीलिए  
तुझे मरना  
होगा !



तुम्हें मरना होगा!

आऽऽऽह!

मैं अपने युग में  
बापस तो आ गया,  
लेकिन मेरे पास कोई  
योजना बनाने का  
बकन नहीं है! और  
योजना बनाने भी तो  
किस आधार पर? इस  
रोबोट की किसी  
कमजोरी का मुझे  
पता भी तो हो!

अरे हाँ!  
इसके दिमाग को भटका  
दिया जा सकता है!

इसका सफ़्त बरीक़  
है मेरे पास!

ओफ़! नीचे गिरने से बल-बल  
बचा! लेकिन ज्यादा देर तक नहीं बच  
पाऊंगा, जल्दी ही ये स्टार लाइन को  
काट देगा, और मैं इसको रोक नहीं  
पाऊंगा! काश, मैं इसके इलेक्ट्रॉनिक  
दिमाग को हिला सकना तो शायद  
कुछ हो पाता!

स्टार लाइन का सफ़्त मिरा रोबोट ध्रुव के पैर से जा लिपटा-

और रोबोट के कुछ समझ  
पाने से पहले ही स्टार लाइन  
का दूसरा मिरा 'मिरलव-फ्लेयर'  
में लिपटकर घने बादलों की  
तरफ़ लपक चुका था-



स्टारलाइन के नुकीले सिरे  
नीचे गिरती बिजलियों को  
अपनी तरफ आकृष्ट कर लिया-

और हजारों वोल्ट  
के करंट नेरोबोट  
ध्रुव के शरीर को  
हिला हिला-

और वहां से दूर हिमालय की ऊंचाइयों में-

ओ माई गॉड  
नो... नो ये है तुम्हारा  
असली रूप

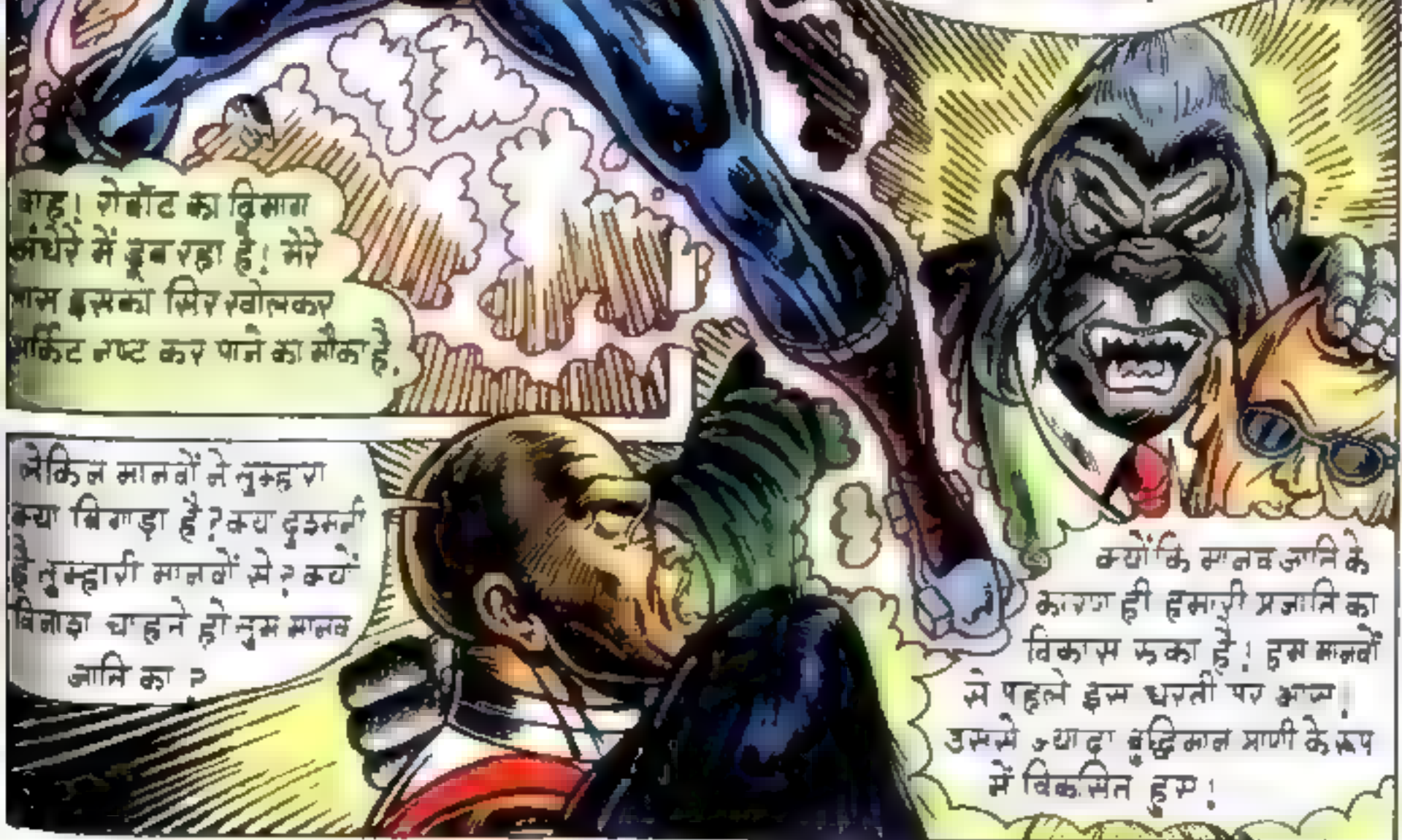


हां, ये है मेरा असली रूप, तुम्हारी नजरों  
में एक गुरिल्ले का रूप, मेरे आसपास जो  
'गुरिल्ले' तुमको नजर आते रहते हैं वे मेरी ही  
जति के हैं! अति बुद्धिमान प्राणी! लेकिन तुम  
मानवों की नजर में मूर्ख जल्द से ज्यादा कुछ  
भी नहीं! हमारे इसी रूप ने सैकड़ों सालों से  
हमारी जति को मानवों पर हमले करने रहने  
के बावजूद, हमको तुम लोगों की नजरों  
से बचाया रखा.

वाह! रोबोट का विमान  
अंधेरे में डूब रहा है! मेरे  
पास इसका सिर खोलकर  
एकिट नष्ट कर पाने का मौका है.

लेकिन मानवों ने तुम्हारा  
क्या बिगड़ा है? क्या दुश्मनी  
है तुम्हारी मानवों से? क्यों  
बिनाडा चाहने हो तुम मानव  
जति का?

क्योंकि मानव जति के  
कारण ही हमारी प्रजाति का  
विकास रुका है! इस मानवों  
से पहले इस धरती पर आज  
उससे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी के रूप  
में विकसित हुए!





लेकिन मानव, कीड़ों की तरह संख्या में बढ़ते चले गए। सारी पृथ्वी पर छाने लगे। जबकि प्रकृति के सजाक के कारण हमारे बढ़ने की रफ्तार धीमी रही, क्योंकि हमारे अंडों को पुरा तैयार होने में लगभग पचास साल का वक़्त लगता है। और उनको सेने के लिए जंगल, सुर्खी की गर्मी की जरूरत पड़ती है। हमको पृथ्वी पर छाने के लिए जगह चाहिए थी और जगह बनाने का एक ही तरीका था। मानवों को नष्ट करना। पर मानवों के दुश्मन हम नहीं बन सकते थे, क्योंकि हमारी संख्या बहुत कम थी।



उसीलिए हमने मानवों को ही मानवों का दुश्मन बना दिया। उसके लिए हमारे पास ज्ञान भी था और शक्ति भी। हमने मानवों को शक्तियाँ देकर उनसे ही मानव का विनाश करवा करवा किया। तानाशाहों को कुबुद्धि दी, कभी आतंकवादियों को हथियार और साथ मानवों को भ्रष्टाचार, अपराध जैसे गलत काम करने के लिए भी उकसाया।

और अब हम अपने लक्ष्य के एकदम करीब हैं। हालांकि पृथ्वी पर मानवों की संख्या 6 अरब के पास पहुँच चुकी है लेकिन अब महौल ऐसा बन चुका है कि कभी भी मानवों के बीच में ऐसा युद्ध छिड़ेगा जो उनकी जनसंख्या का पूर्ण विनाश कर देगा...

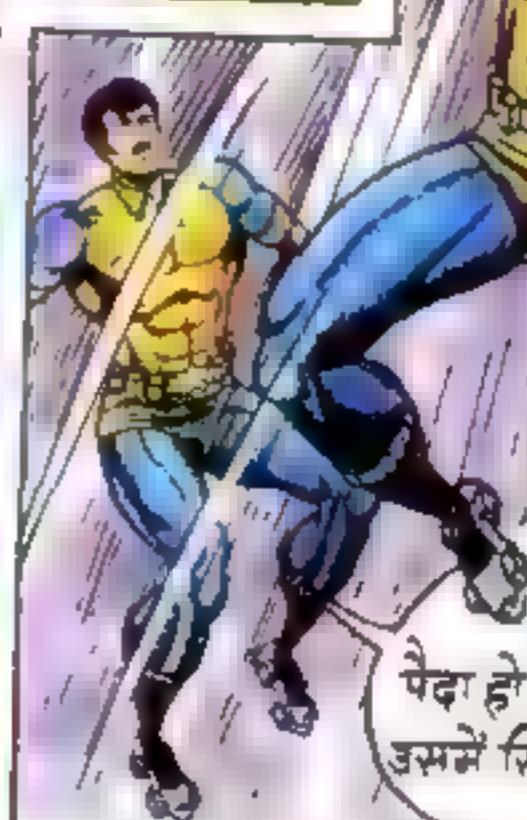
... और तब पृथ्वी पर हमारी प्रजाति का राज्य होगा। बुद्धिमान गुरिल्ले का।



और उसी पल वहाँ से दूर राजनगर में—



तभी— अरे! यह क्या? मेरे ट्रैप कार्ड, मेरे सबसे विनाशकारी हथियार का मुझसे संपर्क टूट रहा है! कुछ गड़बड़ है! मुझे उसको वापस बुलाना पड़ेगा!



ओह! ये क्या हो रहा है? हवा में एक चक्रवात पैदा हो रहा है! और रोबोट धुव उसमें रिविच रहा है!



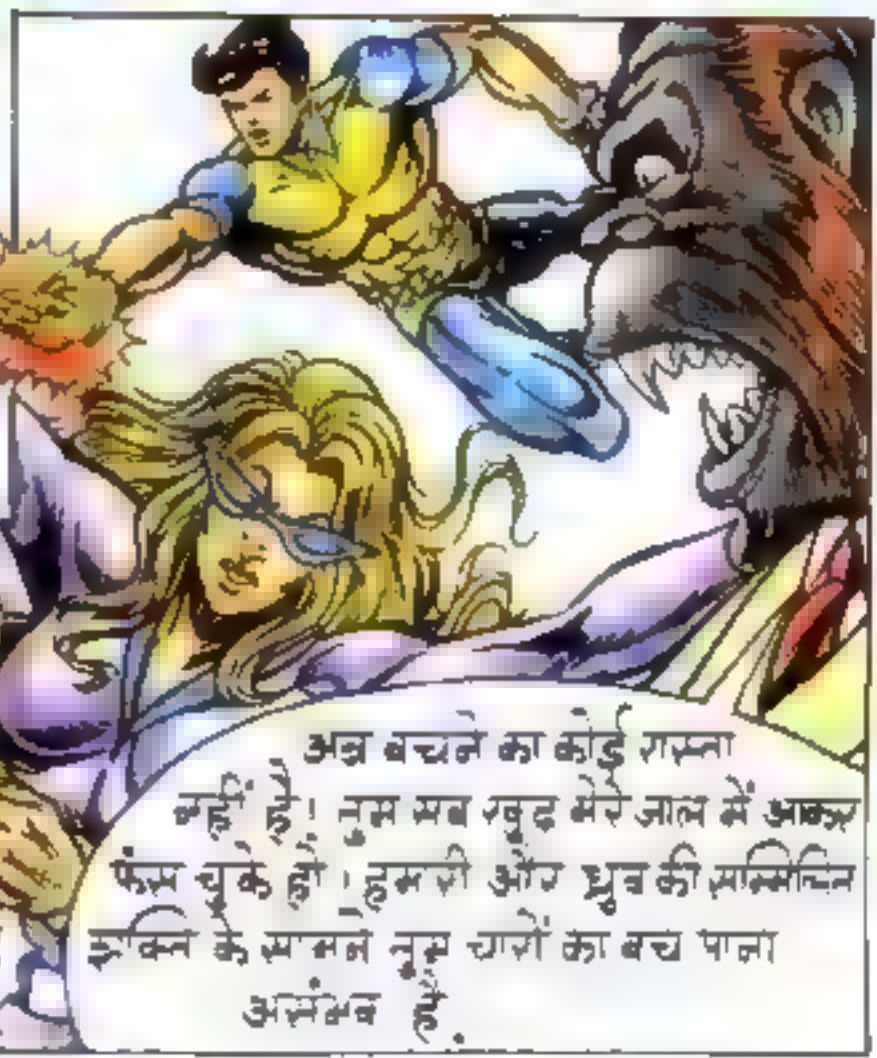
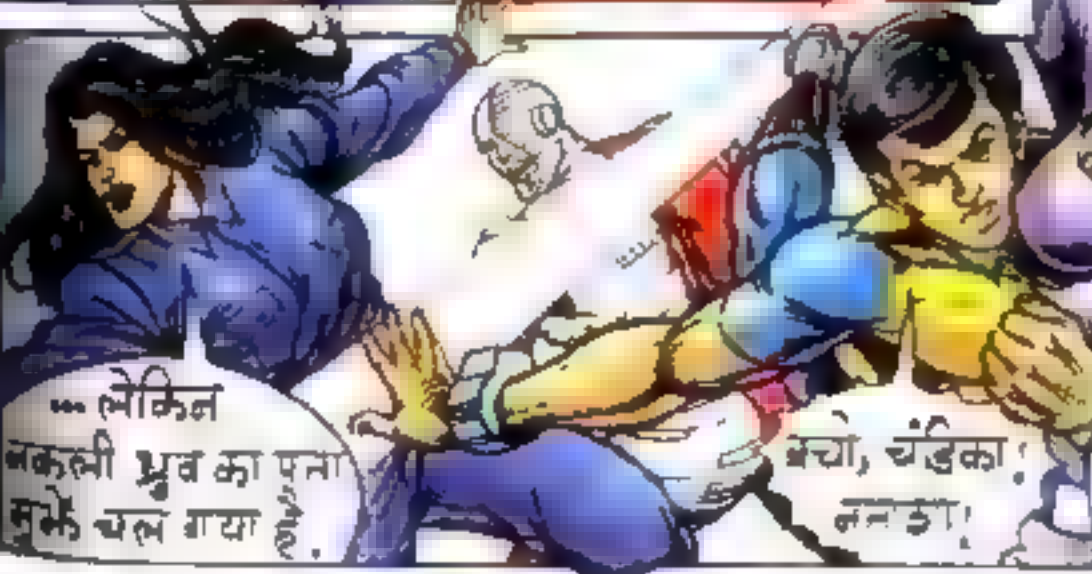
मुझे भी इसके पीछे जला होगा। पता करना होगा कि इस मुसीबत को कौन कंट्रोल कर रहा है।

ध्रुव को यह जलने के लिए ज्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ा-

आइएह, ओह!



असली का तो कह नहीं सकती...





ये सही कह रहा है रोबो! मैं इसके जैसे दूसरों से भी मिल चुका हूँ! बस मुझको उस वक़्त ये नहीं पता था कि ये वास्तव में बुद्धिमान गुरिल्ले हैं!

ये ध्रुव रोबोट हैं! भविष्य से आया हुआ एक अति आधुनिक रोबोट है! इसकी शक्तियों से हम नहीं जीत सकते! फिलहाल ये इस गुरिल्ले के कब्जे में है!

हमको रोबोट के इलेक्ट्रॉनिक ब्रेन तक पहुंचकर उसमें अपना कमांड भरना पड़ेगा! तभी ये मानसिक कैद से आजाद हो पाएगा!

पर इसके ब्रेन तक पहुंचा कैसे जा सकता है! हम तो इसके पास भी नहीं फटक सकते!

लेसर किरण! यम! एक तरीका है रोबो! इस रोबोट का ब्रेन हमारे दिमाग का ही इलेक्ट्रॉनिक रूप है! और हमारे मस्तिष्क का सिर्फ एक ही हिस्सा बाहर से देखा जा सकता है! हमारी 'ऑप्टिक सर्व' वह नस जो दृश्य के संकेतों को दिमाग तक ले जाती है!

ये तो ठीक है! पर इस जानकारी से फायदा क्या है?

तुम लेसर किरणों के द्वारा इसकी आंखों से जुड़ सकते हो रोबो! और इस कमांड को प्रकाश कणों में बदलकर इसके दिमाग तक पहुंचा सकते हैं!

कंप्यूटर मेरे पास है! एक 'बकल कंप्यूटर' मेरी बैल्ट में लगा है!

तो फिर देर कैसी? मैं और ध्रुव किंगकांग और इसके गुरिल्लों को संभालने हैं! तुम दोनों ध्रुव के रोबोट को संभालो!

यानी ऑप्टिकल मैसेज! ऐसा सिस्टम मेरी 'लेसर आई' में लगा तो हुआ है, पर आज तक मैंने उसका प्रयोग नहीं किया है!

मुझे पता है रोबो! पर समस्या एक कंप्यूटर की है! किसी कंप्यूटर को तुम्हारी लेसर आई से जोड़े बगैर कमांड के सिग्नल नहीं भेजे जा सकते!

पर पहले कमांड तो सुन लो! कमांड है...

XZXPO!



योजना बहुत तरीके से दो मोर्चों पर एक साथ हमला शुरू हो गया-



जल्दी करो चंडिका! मैं ज्यादा देर तक इसकी लेजर बीम को रोककर नहीं रख सकूंगा! जल्दी ही इसकी 'डबल-लारे' मेरी लेजर किरण को पीछे धकेलकर मेरी रवोपड़ी को छेद देगी!

वस! काम हो चुका है रोबो! देखो अखिरी कमांड!

रोबोट ध्रुव की पूरी मेमोरी कपस लौट आई-

ये मैं कहाँ...? अरे!

कमांड पूरा होते ही-

तुम तो ध्रुव हो! जिसका मैं प्रतिरूप हूँ! और मेरे रूप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता!

तु सचमुच आजाद हो गया है! यानी मुझे अब तुमको फिर से काबू में करना पड़ेगा!





किंगकांग की मानसिक डाकिले रोबोट ध्रुव के दिमाग से एक बार फिर छेड़-छाड़ करने लगी—

आsssह! ये... ये मेरी मेमोरी को फिर से प्रोग्राम कर रहा है! लेकिन अब मैं ऐसा नहीं होने दे सकता! शायद मेरे अंत का समय आ गया है!



मैंने 'आत्मघाती बटन' को दबाकर अपने शरीर को एक मिनट न्यूक्लियर बम में बदल दिया है! कुछ ही देर में मेरा शरीर फट पड़ेगा!

तुम अपने साथियों के साथ बाहर निकलो ध्रुव! मैं इन गुरिल्लों को यहीं पर रोककर रखता हूँ! ताकि ये तुम्हारा पीछा न कर सकें!



जल्दी आओ ध्रुव! इधर से बाहर जाने का रास्ता है! मेरा हेलीकॉप्टर वहीं पास में खड़ा है!

रोबोट ध्रुव बम अब फटने वाला ही है!





रोबोट ध्रुव फट पड़ा! और उसके साथ-साथ ज्वालामुखी ने भी लावे को हवा में बिखेर दिया-



ओह! बाल-बाल बचे! पर ये रोबोट ध्रुव का चक्कर क्या था? और इस दौरान तुम कहाँ पर थे, ध्रुव?

भन्वी कहानी है! कभी समय मिलता तो फुरसत से सुनाऊंगा, रोबो!

फुरसत तो अब हो ही गई है! हजारों साल तक तबाही मचाने के बाद आखिरकार किंग-कांग और उसके गुरिल्ला गैंग का अंत हो चुका है!

उसके... ही ही ही... अंडों का भी!

मैं!

हैं?



नहीं, ननाझा! किंगकांग गैंग कुछ समय के लिए चाहे लावे की पत्तों में दब गया हो, लेकिन अभी मरा नहीं है!

वे पृथ्वी पर विनाश फैलाने के लिए एक बार फिर आएंगे! सैकड़ों वर्षों के बाद!

ये तुम इतने विश्वास के साथ कैसे कह सकते हो? और भविष्य में इनको विनाश फैलाने से भत्ता कौन रोकेगा?